RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः151, सोमवार , 09 जून 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय और शरण नर्सिंग होम के बीच हुआ समझौता 03

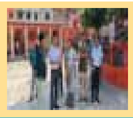
6.55 करोड़ की लागत से दो फेजों में होगी काली धाम कॉरिडोर बनाने की शुरुआत... 04

दो वर्षों से डिप्रेशन और एंग्जाइटी से जूझ रही थीं पायल घोष 07

सुलझने की बजाय और उलझती जा रही राजा की मर्डर मिस्ट्री

गाइड बोला-23 मई को दोनों के साथ तीन युवक थे,सोनम पीछे चल रही थी

इंदौर (एजेंसी)। मेघालय के शिलॉन्ग में इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी का शव जिस जगह मिला, वहां का वीडियो उनके भाई विपिन ने शेयर किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि रेलिंग करीब चार फीट ऊंची है। यहां से कूद पाना आसान नहीं है। विपिन ने कहा- मेरा भाई राजा रघुवंशी और उसकी पत्नी सोनम वहां हनीमून मनाने गए थे। आराम से घूम रहे थे। आपस में कोई विवाद भी नहीं था, इसलिए जानबूझकर राजा वहां नहीं कूदा होगा। उसे मारकर फेंका गया है, ताकि किसी को कुछ पता न चल सके। उधर, एक गाइड ने दावा किया है कि जिस दिन राजा और सोनम लापता हुए, उस दिन उनके साथ तीन अन्य युवक भी थे। गाइड ने पुलिस को यह जानकारी दी है। उसने बताया कि 23 मई को राजा और सोनम के साथ तीन युवकों के साथ देखा था। राजा और तीनों युवक आगे चल रहे थे, सभी हिंदी में बात कर रहे थे। सोनम उनके पीछे चल रही थी। मावलाखियात के गाइड अल्बर्ट पैड ने बताया कि राजा और सोनम को तीन पर्यटकों के साथ 23 मई सुबह 10 बजे नोंग्रियात से मावलाखियात के बीच देखा गया। अल्बर्ट ने कहा कि वे इंदौर के दंपति को पहचानते हैं, क्योंकि उन्होंने एक दिन पहले राजा और सोनम को नोंग्रियात तक चढ़ने के लिए अपनी सेवाएं देने की पेशकश की थी, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था। उन्होंने दूसरे गाइड वानसाई की सेवाएं ली थीं। अल्बर्ट ने बताया कि चारों आगे चल रहे थे, जबकि सोनम पीछे थी। वे चारों हिंदी में बात कर रहे थे। लेकिन मैं समझ नहीं पाया कि वे क्या बोल रहे थे, क्योंकि मैं केवल खासी और अंग्रेजी ही जानता हूं। उन्होंने बताया कि उन लोगों ने शिपारा होम स्टे में रात बिताई और अगले दिन बिना गाइड के ही लौट आए। विपिन ने बताया- राजा और सोनम रघुवंशी की शादी 11 मई को हुई थी। वे 20 मई को हनीमून के लिए शिलॉन्ग के लिए रवाना हुए। पहले उन्होंने गुवाहाटी में मां कामाख्या के दर्शन किए। यहां से 23 मई को मेघालय के शिलॉन्ग रवाना हुए। शुरुआत में परिवार की दोनों से बात होती रही, फिर संपर्क टूट गया। 24 मई से दोनों के मोबाइल बंद हो गए तो चिंता होने लगी।

सोनम रघुवंशी राजा रघुवंशी

सर्चिंग के नाम पर पूछताछ कर रही थी पुलिस

राजा के भाई ने आगे बताया- होटल के बाद हम सोरा थाने पहुंचे। यहां पुलिस ने केस दर्ज करने के बजाय शिकायती आवेदन ले लिया। वे सर्चिंग के नाम पर कुछ लोगों से पूछताछ कर रहे थे। हमें यहां के दुकानदारों ने अलर्ट कर दिया था। शिलॉन्ग में किसी तरह का खतरा नहीं लेकिन सोरा में रुकना खतरे से खाली भी नहीं। दरअसल, शिलॉन्ग से लगभग 80 किलोमीटर की दूरी पर सोरा ग्रामीण इलाका है। यहां के लोग पहाड़ियों में रहते हैं। इसी रास्ते से पर्यटक डबल डेकर ब्रिज के लिए जाते हैं। यहां करीब 4 हजार सीढ़ियां उतरकर होटल हैं। जहां सुरक्षा के नाम पर न गार्ड है, न पुलिस। यहां सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगे हैं।

चिराग पासवान के ऐक्टिव होने से बिहार बीजेपी सतर्क

- 'किंग मेकर' गेम प्लान के खुलासे के बाद एनडीए में हलचल

पटना (एजेंसी)। हाल के हफ्तों में, केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने सार्वजनिक रूप से बिहार लौटने और विधानसभा चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा जताई, जिसे राज्य की राजनीति में किंगमेकर या किंग नहीं तो किंग की भूमिका निभाने के तौर पर देखा जा रहा है। और यह संदेश भाजपा नेतृत्व के लिए भी सही है। जबकि भाजपा नेतृत्व

का कहना है कि पासवान अपनी पार्टी को सीट बंटवारे के तहत आवंटित किसी भी सीट से चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र हैं , सत्तारूढ़ पार्टी के एक वर्ग का कहना है कि वह केवल राज्य इकाई में भ्रम की स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी कैबिनेट में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पासवान ने हाल ही में कहा कि वह बिहार की राजनीति में वापस आने के लिए तैयार हैं क्योंकि राज्य के विकास में योगदान देना हमेशा से उनकी प्रेरणा रही है।

दक्षिण में होगी भारी बारिश उत्तर अभी भी रहेगा सूखा!

हो जाएं अलर्ट! मौसम विभाग की ने दे दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में भले ही भीषण गर्मी पड़ रही हो, लेकिन दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी है। परसों यानी कि 10 जून से कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल समेत दक्षिण भारत के कई राज्यों में बहुत भारी बरसात की चेतावनी जारी की गई है। ऐसे में इन राज्यों में रहने वाले लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। वहीं, उत्तर भारत की बात करें तो पश्चिमी राजस्थान में 8-11 जून और हिमाचल व उत्तराखंड छोड़कर उत्तर पश्चिम के अन्य राज्यों में अगले चार दिनों तक हीटवेव चलने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय में 11-14 जून, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में 10-13 जून को बहुत भारी बरसात होगी। दक्षिण भारत की बात करें तो तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे में 10-14 जून, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा में 11-14 जून, लक्षद्वीप में 13 व 14 जून को बहुत भारी बारिश होगी। इसके अलावा, इंटीरियर कर्नाटक के इलाकों में 12 जून को तेज हवाएं चलने का अनुमान है। पूर्वी व मध्य भारत की बात करें तो अंडमान व निकोबार, ओडिशा में 8-12, मध्य प्रदेश में 8 व 9, छत्तीसगढ़, गंगीय पश्चिम बंगाल में 11 और 12 जून, बिहार, झारखंड में 11-14 जून के बीच हल्की से मध्यम बरसात होगी। बिहार व विदर्भ में 11, 12 जून को तेज हवाएं चलने का अनुमान है। उत्तर पश्चिम भारत की बात करें तो उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 11-14 जून, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 13 व 14 और पंजाब में 14 जून को हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। हालांकि, इस दौरान गर्मी भी बनी रहेगी। इसके अलावा, उत्तराखंड में 12-14 जून के बीच तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को दिन के समय तेज हवाएं चलने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के अनुसार, दिल्ली में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रहा।

ताउम्र यही गलती करते रहे, धूल चेहरे पर थी आईना साफ करते रहे

राहुल को फडणवीस का जवाब, 'मैच फिक्सिंग' के आरोप पर घेरा

मुंबई (एजेंसी)। राहुल गांधी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' के आरोप पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का जवाब आया है। देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहाकि ताउम्र आप यही गलती करते रहे, धूल चेहरे पर थी और आप आईना साफ करते रहे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहाकि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 2024 के राज्य विधानसभा चुनावों में हार पर आत्मावलोकन करने के बजाय जनादेश को अस्वीकार कर रहे हैं क्योंकि जनता ने उन्हें खारिज कर दिया है। फडणवीस ने समाचार पत्र में प्रकाशित अपने लेखों में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता बिहार सहित आगामी विधानसभा चुनावों में उन्हें मिलने वाली हार के लिए बहाने तैयार कर रहे हैं। राहुल गांधी ने शनिवार को कई अखबारों में प्रकाशित एक लेख और एक्स पर पोस्ट साझा कर आरोप लगाया था। इसमें उन्होंने कहाकि 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट था और यह मैच फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी। सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट साझा कर गांधी ने चुनाव में कथित अनियमितताओं के बारे में चरणबद्ध तरीके से बताया कि कैसे मतदाता सूची में फर्जी मतदाताओं को जोड़ा गया। मतदान प्रतिशत बढ़ा-चढ़ा कर दिखाया गया। फर्जी मतदान कराया गया और बाद में सबूतों को छिपा दिया गया। निर्वाचन आयोग ने आरोप को खारिज करते हुए कहाकि अनुकूल परिणाम नहीं मिलने के बाद चुनाव निकाय को बदनाम करना पूरी तरह बेतुका काम है। गांधी के दावों के जवाब में फडणवीस ने सब कुछ बताया है।

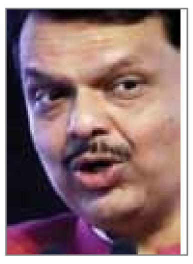

मैतेई लीडर की गिरफ्तारी से फिर सुलगा मणिपुर

- प्रदर्शनकारियों ने खुद पर पेट्रोल डाला
- कई गाड़ियां फूंकीं, पत्थर से भी हमला, 5 जिलों में इंटरनेट बंद

इंफाल (एजेंसी)। 3 मई 2023 को कुकी-मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष शुरू हुआ था, जो आज भी जारी है। इन दो सालों में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं। मणिपुर में मैतेई संगठन अरम्बाई टेंगोल के नेता करन सिंह को रविवार को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। उन पर 2023 में हिंसा भड़काने के आरोप है। इनकी गिरफ्तारी की खबर फैलने के बाद शनिवार देर रात मणिपुर में हिंसा भड़क गई थी। राजधानी इंफाल के कई इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में आग लगा दी, सड़कों पर टायर और पुराने फर्नीचर भी जलाए। प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल डालकर खुद को जलाने की भी कोशिश की। सरकार ने 7 जून की रात 11:45 बजे से पांच दिनों के लिए 5 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सर्विस सस्पेंड कर दी है। इनमें इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर शामिल हैं। इंफाल ईस्ट और बिष्णुपुर में कर्फ्यू भी लगाया गया है। मणिपुर में 3 मई 2023 को कुकी-मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष शुरू हुआ था, जो अब तक जारी है। हिंसा में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं। प्रदर्शनकारियों ने खुद को आग लगाने की कोशिश की।

असम से बाहर निकाले जाएंगे अवैध बांग्लादेशी

- सरमा बोले-अब 1950 में बने कानून का होगा इस्तेमाल

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि राज्य में अब अवैध प्रवासियों की पहचान कर बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के निष्कासन के लिए विदेशी न्यायाधिकरणों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं होगी। इसके बजाय, सरकार अब सीधे 1950 के कानून का उपयोग करेगी, जो अभी भी कानूनी रूप से मान्य है। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा,सुप्रीम कोर्ट ने क्लॉज 6 पर संविधान पीठ की सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया है कि हर मामले में न्यायिक प्रक्रिया की जरूरत नहीं है। असम में प्रवासियों को सीधे निष्कासित करने के लिए पहले से ही एक वैध कानून मौजूद है।

जस्टिस यशवंत वर्मा उठा सकते हैं बड़ा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने संसद में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाकर उन्हें हटाने के लिए राजनीतिक दलों से चर्चा शुरू कर दी है। अब जस्टिस वर्मा के सामने महाभियोग से बचने का केवल एक ही विकल्प है। अगर वह प्रस्ताव आने से पहले ही इस्तीफा दे देते हैं तो महाभियोग से बच सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति और हटाने के मामलों के जानकार लोगों का कहना है कि संसद में खुद का बचाव करने से बचने के लिए वह मौखिक रूप से ही इस्तीफे का ऐलान कर सकते हैं। अगर वह खुद से ही इस्तीफा दे देते हैं तो रिटायर्ड हाई कोर्ट के जज की तरह ही उन्हें पेंशन और बाकी सुविधाएं मिलती रहेंगी। हालांकि अगर संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाकर उन्हें हटाना पड़ता है तो उन्हें पेंशन तक नहीं मिलेगी। संविधान के अनुच्छेद 217 के मुताबिक हाई कोर्ट के जज राष्ट्रपति को पत्र लिखकर अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसमें किसी की मंजूरी की भी जरूरत नहीं होती है। इस्तीफा देने के लिए जज का पत्र ही काफी होता है। अगर जज अपने पत्र में इस्तीफा देने की कोई तारीख बताता है तो उसतारीख से पहले उसके पास इस्तीफा वापस लेने का भी अधिकार होता है।

- महाभियोग से बचने का अब बचा है एक ही रास्ता
- मॉनसून सत्र से पहले मोदी सरकार भी हुई ऐक्टिव

राफेल जेट को अब मिलेगा 'मेक इन इंडिया' का टच

ग्लोबल एयरोस्पेस हब बनने के लिए है तैयार है भारत!

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के 'मेक इन इंडिया' अभियान को एक बड़ी सफलता मिली है। फ्रांस की एयरोस्पेस कंपनी डसॉल्ट एविएशन और भारत के टाटा ग्रुप ने मिलकर हैदराबाद में राफेल लड़ाकू विमानों का फ्यूजलेज बनाने का फैसला किया है। फ्यूजलेज विमान का मुख्य ढांचा होता है। यह समझौता भारत और फ्रांस के बीच हुए 63,887 करोड़ रुपये के बड़े समझौते का हिस्सा है। इस समझौते में भारत की नौसेना के लिए 26 राफेल-मरीन जेट विमान खरीदे जाएंगे। इन विमानों की डिलीवरी 2028 से 2030 के बीच होने की उम्मीद है। यह पहली बार है कि डसॉल्ट कंपनी फ्रांस के बाहर राफेल विमान के फ्यूजलेज का उत्पादन करेगी। हैदराबाद में बनने वाली यह यूनिट बहुत महत्वपूर्ण होगी। इससे पता चलता है कि भारत की एयरोस्पेस निर्माण क्षमता पर भरोसा बढ़ रहा है। इस नई यूनिट में मल्टी-रोल फाइटर जेट के कई महत्वपूर्ण हिस्से बनेंगे। इनमें लेटरल रियर शेल, फुल रियर सेक्शन, सेंट्रल फ्यूजलेज और फ्रंट सेक्शन शामिल हैं। भारतीय वायु सेना पहले से ही राफेल विमानों का इस्तेमाल कर रही है। इस कदम से भारत की भूमिका इसकी ग्लोबल सप्लाई चेन में और भी मजबूत होगी। हैदराबाद में यह दूसरा बड़ा एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग साइट होगा। इससे पहले टाटा-बोइंग का जॉइंट वेंचर भी यहां अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर के फ्यूजलेज बनाता है। इन हेलीकॉप्टरों को भारत ने अमेरिका से खरीदा है। डसॉल्ट-टाटा की यह साझेदारी ऐसे समय में हो रही है जब भारत सरकार अपने नेक्स्ट-जेनरेशन फाइटर जेट प्रोग्राम (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोल रही है। इसमें सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड भी शामिल होगी। विदेशी कंपनियों के साथ बढ़ते सहयोग, घरेलू इनोवेशन और सरकारी मदद से अब यह सवाल उठता है कि क्या भारत एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बन सकता है। डसॉल्ट और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के बीच सहयोग से भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। सरकार का लक्ष्य है कि हथियारों और सैन्य उपकरणों के आयात को कम किया जाए। इसे ही 'आत्मनिर्भरता' कहा जा रहा है। स्टॉकहोम पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार खरीदार है। लेकिन 2020 से 2024 के बीच उसके सैन्य आयात में 9.3 फीसदी की कमी आई है। इसकी तुलना 2015-2019 के पिछले पांच वर्षों से की गई है। फ्यूजलेज किसी भी लड़ाकू विमान का सबसे जटिल और महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इसका स्थानीय स्तर पर निर्माण होना इस बात का संकेत है कि भारत एयरोस्पेस उत्पादन में आगे बढ़ रहा है। हैदराबाद की यह फैसिलिटी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 4.5-जनरेशन का राफेल विमान भारत के 114 मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट बनाने के प्रोजेक्ट में सबसे आगे है। इस प्रोजेक्ट में विदेशी कंपनियों के साथ सहयोग किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट की शुरुआती अनुमानित लागत 1.25 लाख करोड़ रुपये है। भारतीय वायु सेना में फाइटर जेट की कमी को पूरा करने के लिए इसे तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। डसॉल्ट और टाटा ने एक संयुक्त बयान में कहा है कि पहले फ्यूजलेज सेक्शन वित्त वर्ष 2028 में बनने शुरू हो जाएंगे। इस फैसिलिटी से हर महीने दो पूरे फ्यूजलेज बनाने की उम्मीद है। यह फैसिलिटी एक हाई-प्रिसिजन एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में काम करेगी। यह न केवल भारत की रक्षा तैयारियों में योगदान देगा, बल्कि ग्लोबल मदद करेगा।

संक्षिप्त समाचार

आरा में ट्रेन से नीचे गिरने से मजदूर की मौत

■ काम करने के लिए बिहटा जा रहे थे, बैलेंस बिगड़ने से जमीरा हॉल्ट पर हुआ हादसा

आरा, भोजपुर, एजेंसी। आरा में जमीरा हॉल्ट के पास ट्रेन से गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। ट्रेन से मजदूरी करने के लिए बिहटा जा रहे थे। इस दौरान बैलेंस बिगड़ने से नीचे गिर गया। मृतक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पिपरहिया निवासी शिवनाथ सिंह (59) के तौर पर हुई है। घटना दानापुर-पीडीडीयू रेल खंड की है। मृतक के बेटे विनोद कुमार ने बताया कि पिताजी मजदूरी करने के लिए जा रहे थे। आरा स्टेशन पर उन्होंने ट्रेन पकड़ी थी। रास्ते में गाड़ी से नीचे गिर गए। हादसे की सूचना हमलोग मौके पर पहुंचे। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया, लेकिन कायमनगर के पास मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को शव सौंप दिया है। मृतक तीन भाई-बहन में सबसे बड़ा था। परिवार में पत्नी शनिचरा देवी, एक बेटा विनोद और बेटी मोना देवी है। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया बकरीद का त्योहार

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड में बकरीद का त्योहार शनिवार को शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। ईदगाहों और मस्जिदों में पूरी अकीदत के साथ नमाजियों ने नमाज अदा की और गले मिलकर एक-दूसरे को बकरीद का मुबारकबाद दिया। शहर और गांव के ईदगाहों-मस्जिदों पर सुबह से ही नए-नए कपड़े पहनकर बकरीद की नमाज अदा करने नमाजियों के पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हो गया था। शहर के विभिन्न ईदगाह और मस्जिदों में नमाजियों ने देश में अमन चैन और सामाजिक सौहार्द्र की दुआ मांगी। इससे पूर्व शुक्रवार की देर रात तक बाजारों में ईद की खरीदारी हुई। कुर्बानी के मद्देनजर साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इस दौरान बच्चे, युवा और बुजुर्गों में खासा उत्साह देखा गया। बकरीद को लेकर चिह्नित जगहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। जिसका कमान खुद थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार संभाले हुए थे।

मुर्रा नस्ल की भैंस लेकर चोर फरार

बेतिया, एजेंसी। बिहार के पश्चिम चंपारण के बेतिया में अनोखी चोरी का मामला सामने आया है। मझौलिया थाना क्षेत्र के चनायनबांध पंचायत के वार्ड नंबर 11 में चोरों ने पिकअप वाहन से आकर मुर्रा नस्ल की भैंस चुरा ली। घटना देर रात की है। चोर पिकअप वाहन से गांव पहुंचे। उन्होंने वाहन को कुछ दूरी पर खड़ा किया। दो चोर देवनाथ पटेल के घर के दरवाजे तक गए। वहां से भैंस को निकाला और पिकअप में लादकर फरार हो गए।सुबह जब देवनाथ पटेल को भैंस नहीं मिली तो उन्होंने खोजबीन की। सीसीटीवी फुटेज में पूरी चोरी कैद हो गई थी।

रोजाना 12 लीटर देती थी दूध : पटेल ने बताया कि भैंस की कीमत करीब 1 लाख 45 हजार रुपए थी। भैंस रोजाना 12 लीटर दूध देती थी। इलाके में उसके दूध का स्वाद विशेष माना जाता था। मझौलिया थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल टावर लोकेशन और अन्य तकनीकी माध्यमों से चोरों की तलाश कर रही है। पुलिस ने भैंस की बरामदगी के लिए विशेष टीम बनाई है।

भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी

■ कोच का शीशा टूटा, यात्रियों में दहशत, 2 माह के अंदर दूसरी घटना

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर-हावड़ा के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस पर एक बार फिर पत्थरबाजी हुई है। दो माह के अंदर यह दूसरी घटना है। टिकानी रेलखंड के पास ट्रेन के सी-7 कोच की 42 और 43 नंबर सीट के शीशे पर दो पत्थर लगे। जिससे शीशा टूट गया। तेज आवाज से यात्री सहम गए, शोर मचाने लगे। कैटरिंग स्टाफ और आरपीएफ एस्कॉर्ट ने यात्रियों को शांत कराया। घटना शनिवार दोपहर करीब 3:20 बजे की है। भागलपुर से खुलने के बाद गाड़ी टिकानी रेलखंड से गुजर रही थी। इस दौरान हट पुरैनी और टिकानी के बीच मवेशी के ट्रेन से कट जाने के कारण गुस्साए लोगों ने पथराव कर दिया। मालदा रेल मंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने का निर्देश दिया है, ताकि आरोपियों की पहचान हो सके। पत्थरबाजी और मवेशी कटने की वजह से दूसरी ट्रेनों पर भी असर पड़ा। गोमतीनगर जाने वाली ट्रेन लेट से पहुंची। दुमका से पटना जा रही एक्सप्रेस ट्रेन को हंसडीहा में रोक लिया गया।

नीतीश सरकार की व्यावसायियों पर नजर, जल्द बनेगा व्यापार आयोग

पटना, एजेंसी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा है कि बिहार में जल्द ही व्यापार आयोग का गठन होगा। इसमें कलवार समाज का भी प्रतिनिधित्व होगा।राजधानी के बीआईए सभागार में शनिवार को आयोजित कलवार एकीकरण सह सम्मान समारोह में उन्होंने यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि समाज एकीकृत है और राजनीतिक रूप से आगे बढ़ना चाहता है। भाजपा कलवार समाज को सम्मान देती रही है और आगे भी देगी। उन्होंने कलवार इंडिया एसोसिएशन के सभी नवनियुक्त अधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। साथ ही आह्वान किया कि सभी अपने अधिकार और सम्मान के लिए संघर्ष करें। सम्मान समारोह में सभी जिलों से आए कलवार समाज के लोग उपस्थित हुए। सम्मेलन में पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, विधान पार्षद तरुण कुमार, विनोद जायसवाल, मदन चौधरी, अशोक जायसवाल, डॉ. राजेश रौशन, विशाल और राधेश्याम सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

चुनाव से पहले इस जाति को तवज्जो

राज्य सरकार ने शनिवार को चार महत्वपूर्ण आयोग और एक बोर्ड का गठन किया। जिन चार आयोगों का पुनर्गठन किया गया है उनमें अतिपिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, बिहार राज्य महिला आयोग, बाल श्रमिक आयोग, राज्य खाद्य आयोग शामिल हैं। वहीं बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड को अध्यक्ष समेत सदस्य मिल गए हैं। इन सभी के गठन की अधिसूचना सरकार के संबंधित महकमों ने जारी की है। वरिष्ठ जदयू नेता नवीन कुमार आर्या को फिर अति पिछड़े वर्ग राज्य आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं, मधुबनी निवासी केदारनाथ भंडारी और गया जी के अमित कुमार को आयोग का सदस्य बनाया गया है। समस्तीपुर के वाजितपुर नियारी निवासी अप्सरा मिश्रा को राज्य महिला आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। अप्सरा जदयू नेत्री हैं। बांका की शीला टूड्डू, रोहतास की रजिया कामिल अंसारी, लखीसराय की पिंकी कुमारी, पटना की सजल झा, गया की श्यामा सिंह और पटना की रश्मि रेखा सिन्हा को गैर सरकारी सदस्य बनाया गया है। समाज कल्याण विभाग की सचिव बंदना प्रेयषी पदेन सदस्य सचिव होंगी।

राज्य बाल श्रमिक आयोग के अध्यक्ष जदयू नेता अशोक कुमार (पुत्र आनंदी बादल) और उपाध्यक्ष भाजपा प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह बनाए गए हैं। विधायक श्रेयसी सिंह, रामविलास कामत, विजय कुमार तथा विधानपार्षद अनिल कुमार और रवींद्र प्रसाद सिंह को सदस्य बनाया गया है। सुनील कुमार और शौकत अली भी सदस्य बनाए गए हैं। प्रह्लाद कुमार को राज्य खाद्य आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है जबकि रिंकी रानी पांडेय, मनोज कुमार, अंगद कुशवाहा, नरेन्द्र कुमार ऋषि को सदस्य बनाया गया।

ट्रैक्टर ड्राइवर पर फायरिंग मामले पर आरोपी गिरफ्तार

आरा, भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर के चरपोखरी पुलिस ने ट्रैक्टर ड्राइवर अमरेंद्र सिंह (22) पर फायरिंग मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान इमादपुर थाना क्षेत्र के बिहटा निवासी संजय साव के तौर पर हुई है। आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद हुआ है। अवैध संबंध के विरोध करने पर अपराधियों ने मुंह पर गोली मारी थी। एसपी राज ने इसकी पुष्टि की है।

अज्ञात अपराधियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पीरो एएसपी के. के सिंह के नेतृत्व में जांच के लिए टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर छापेमारी कर कांड में संलिप्त संजय साव को धर दबोचा।

संजय ने साथियों के साथ रची साजिश

पीरो एएसपी ने बताया कि घायल की पत्नी और आरोपित के बीच काफी नजदीकी संबंध थे। जिसका अमरेंद्र विरोध करता था। उसे रास्ते से हटाने के लिए संजय ने अपने साथियों के साथ मिलकर साजिश रची थी। कांड में शामिल अन्य अपराधियों की तलाश की जा रही है।

अपराधियों ने घेरकर मारी थी गोली : चार जून को अमरेंद्र सिंह चरपोखरी से बालू अनलोड करके लौट रहे थे। इस दौरान कोयल गांव में हथियार बंद हथियारबंद अपराधियों घेरकर उन्हें गोली मार दी थी। परिजनों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। डॉक्टरों ने ऑपरेशन करके बुलेट निकाला था। अभी मरीज की स्थिति स्टेबल है।

प्रकृति को सुंदर और सुरक्षित रखने के लिए लगाएं पौधे

गया, एजेंसी। फतेहपुर प्रखंड की कठौतिया केवाल पंचायत के रंगूनगर में गुरुकुल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर दर्जनों पौधों का वितरण व पौधरोपण किया गया। साथ ही हरियाली व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। शिक्षकों व विद्यार्थीयों ने पर्यावरण को हरा-भरा रखने का संकल्प लिया। गुरुकुल के संस्थापक नरेश भारती के नेतृत्व में बरगद, पीपल, नीम, आम आदि फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। साथ ही संस्थान के बच्चों के बीच पौधे बांटे गए। मौके पर नरेश भारती ने कहा कि प्रकृति ही हमारे जीने की आधार है। हरियाली व पर्यावरण जितना स्वच्छ व सुंदर होगा। हमारा जीवन उतना ही बेहतर होगा। इसके लिए हरियाली लानी होगी। हमें पौधे लगाने होंगे। उन्होंने कहा कि हमें अपने घरों के आसपास जगह के अनुसार छोटे-बड़े पौधे लगाने चाहिए। इससे स्वच्छ हवा के साथ हरियाली भी आएगी। मौके पर काफी संख्या में गुरुकुल के विद्यार्थी मौजूद रहे।

जगदीशपुर प्रखंड जदयू मीडिया सेल संगठन का विस्तार

भागलपुर, एजेंसी। जगदीशपुर प्रखंड के जदयू मीडिया सेल संगठन का शनिवार को विस्तार हुआ। जिसकी अध्यक्षता मीडिया सेल प्रखंड अध्यक्ष रंजित कुमार ने की। वहीं जिला उपाध्यक्ष रमण कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान संगठन के विस्तार के बाद उपाध्यक्ष, महासचिव सहित अन्य पदों का जिला जदयू मीडिया सेल जिलाध्यक्ष रविश रवि और जदयू प्रदेश राजनीतिक सलाहकार सदस्य शिशुपाल भारती के द्वारा घोषणा की गई। प्रखंड कमेटी की सूची घोषित करने के बाद मुख्य अतिथि शिशुपाल भारती ने नवमनोनित सभी साथियों को विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने का निर्देश दिया। जिलाध्यक्ष रविश रवि ने सोशल मीडिया के बारीकियों के बारे में जानकारी दी।

पटना के अस्पताल में महिला मरीज को चढ़ा दी एक्सपायरी स्लाइन, खूब हंगामा-कर्मचारियों से हाथापाई

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना के एक अस्पताल में मरीज को एक्सपायरी स्लाइन का मामला सामने आया है। दरअसल पटना से सटे बाढ़ अनुमंडल अस्पताल में शनिवार को पंडारक की महिला मरीज को एक्सपायरी स्लाइन चढ़ाने की बात उजागर होने पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया। वहीं, बीच बचाव करने पहुंचे कर्मचारियों के साथ हाथापाई की। परिजनों ने कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की। इसके अलावा भी स्लाइन और मरीज को कभी दिया गया था। वहीं, इस मामले में अनुमंडल अस्पताल उपाधीक्षक ने जांच के आदेश दिये हैं। इस संबंध में पंडारक निवासी आदित्य, निशांत ,रंजन का कहना था कि कंचन शर्मा पति भास्कर शर्मा निवासी पश्चिमी पंडारक को करंट लगने के बाद पंडारक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से बाढ़ अनुमंडल अस्पताल रेफर किया गया था। इलाज के दौरान

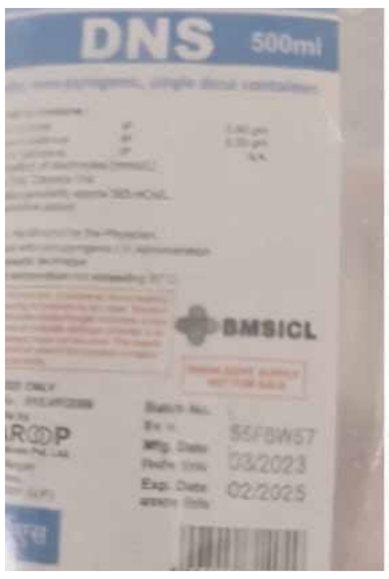

नर्स और अन्य कर्मचारी ने मरीज को एक्सपायरी डेट की स्लाइन चढ़ा दी। हालांकि, मरीज को कोई दिक्कत नहीं हुई थी। इस बात की जानकारी मिलने पर परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची। परिजनों ने पुलिस और एसडीओ के पास शिकायत की है। जांच के दौरान पता चला कि फरवरी 25 में ही डीएनएस सलाइन के उपयोग की तिथि समाप्त हो गई थी। इसके बावजूद बिना जांच किए स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा इमरजेंसी में सप्लाई की जा रही थी। शनिवार को भी लगातार यह सलाइन मरीजों को दी गई। एक कार्टन एक्सपायरी डेट की सलाइन इमरजेंसी में पाई गई है, जिसे तुरंत हटा दिया गया है। अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. विनय कुमार चौधरी ने बताया कि इस मामले को लेकर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की लापरवाही सामने आई है। जांच के बाद दोषी पर कार्रवाई की जाएगी।

बिहार विधानसभा चुनाव क्यों लड़ना चाहते हैं चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री ने खुद बताया

पटना, एजेंसी। लोजपा (रा.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने खुद के विधानसभा चुनाव लड़ने के पीछे के कारणों का खुलासा किया और कहा कि उनके चुनाव लड़ने का अंतिम फैसला संसदीय बोर्ड का होगा। इसके पीछे की सोच पार्टी की स्ट्राइक रेट और गठबंधन को मजबूत करना होगा। वे शनिवार को पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि मैं कुछ ऐसा अनोखा प्रयोग कर रहा हूं, अलग-अलग समय में भाजपा व कई बड़े दल भी अपने रार्ष्ट्रीय स्तर के नेताओं को विधानसभा का चुनाव लड़वाते रहे हैं। उसके पीछे की सोच अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह लाने की होती है।

यह अपने गठबंधन व पार्टी के स्ट्राइक रेट को बेहतर करने की होती है। उन्होंने बताया कि आरा में पार्टी की ओर से विशाल जनसभा का आयोजन रविवार को होगा। पार्टी पांच छह जिलों को जोड़कर ऐसी जनसभाएं आयोजित करेगी। वहीं, चिराग पासवान ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि उन्होंने बिहार चुनाव हारने का बहाना तैयार कर लिया है। ये सिर्फ बहाने ढूंढ़ते हैं कि कैसे अपनी हार पर लीपापोती की जा सके। उन्होंने हर संवैधानिक संस्थान पर सवाल उठाए जाने और इवीएम के बाद नये मतदाता जोड़ लेने के सवाल उठाए जाने की आलोचना की। चिराग पासवान ने कहा कि ये बिहार तो हारेंगे ही इसके बाद पश्चिम बंगाल और असम भी हारेंगे।

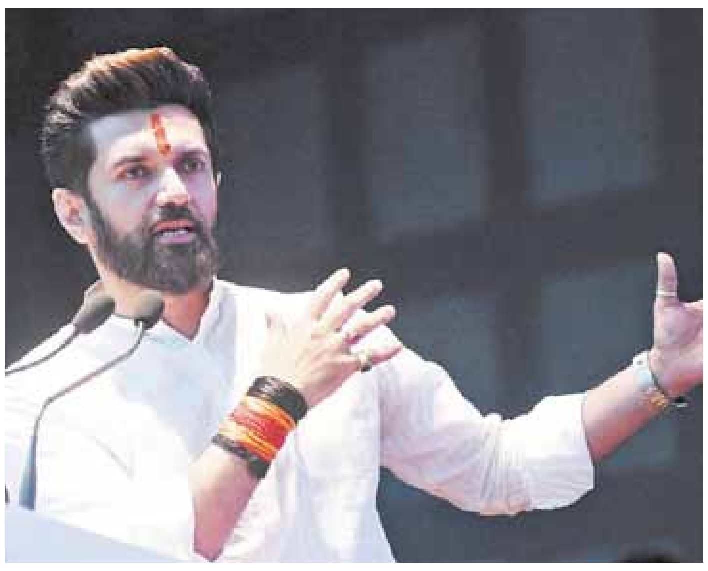

गया में 2 गुट आपस में भिड़े, जमकर हुई मारपीट

3 राउंड फायरिंग से इलाके में दहशत, पुलिस के पहुंचते ही आरोपी मौके से फरार

गया, एजेंसी। गयाजी में शनिवार देर शाम आपसी विवाद में 2 गुट आपस में भिड़ गए। इस दौरान 3 राउंड फायरिंग की गई। गोलीबारी के बाद आसपास अफरा-तफरी मच गई। मारपीट और फायरिंग की सूचना पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचते ही दोनों गुट के लोग फरार हो गए। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गुलाबबाग मोहल्ले की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, पहले 2 युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर एक युवक ने फोन करके अपने भाइयों और दोस्तों को बुला लिया। इस बीच दूसरे ने भी अपने लोगों को बुला लिया। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई।

मारपीट में एक युवक घायल हो गया। एक पक्ष के लोगों ने घर पर चढ़कर फायरिंग कर दी। करीब 3 राउंड गोली चली है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है

थानाध्यक्ष सुनील कुमार द्विवेदी ने बताया, दो राउंड फायरिंग की सूचना मिली है। हालांकि अभी तक कोई ठोस सबूत या मौके से खोखा नहीं मिला है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। पहचान करके दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आरोपी के घर पर पुलिस ने छापा मारा था

स्थानीय लोगों के मुताबिक मारपीट में शामिल एक युवक का क्रिमिनल रिकॉर्ड है। घर के आसपास दबंगई और मारपीट करता है। 4 साल पहले नवजात चोरी मामले में मेडिकल थाने की पुलिस ने घर पर छापा मारा था। एक राइफल बरामद हुआ था।

दरभंगा में लाठीचार्ज में कई बीजेपी कार्यकर्ता घायल: मशाल जुलूस निकालने पहुंचे थे

घायलों से मिले मंत्री जीवेश मिश्रा, बोले– दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई होगी

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में डिप्टी मेयर नाजिया हसन के आरएसएस पर दिए गए विवादित बयान के विरोध में शनिवार को बीजेपी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। हिंदू संगठनों के साथ मशाल जुलूस निकालने की तैयारी थी, लेकिन जिला प्रशासन की ओर से अनुमति नहीं दी गई। इसके बावजूद कार्यकर्ता आयकर चौराहे पर जुटे। पुलिस ने मशाल जब्त करने की कोशिश की तो धक्का-मुक्की शुरू हो गई। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इसमें कई बीजेपी कार्यकर्ता घायल हो गए। इलाज के लिए ष्ठरूष्ट॥ में भर्ती कराया गया। मामले की जानकारी मिलते ही बिहार सरकार के मंत्री जीवेश मिश्रा देर रात अस्पताल पहुंचे। घायलों से मुलाकात कर उनका हाल जाना।

दोषी अधिकारी पर कार्रवाई होगी

मंत्री जीवेश मिश्रा ने कहा, वीडियो फुटेज मंगाई जा रही है। एसएसपी को निर्देश दिया गया है कि स्थानीय लोगों की गवाही और फुटेज देखने के बाद दोषी अधिकारी पर कार्रवाई हो। मशाल जुलूस की अनुमति नहीं थी। कार्यकर्ताओं ने खुद को सरेंडर किया था। इसके बाद किस परिस्थिति में लाठीचार्ज हुआ, यह जांच का विषय है। जब मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग में 35प्रतिशत महिलाओं की बहाली की है, तो मौके पर महिला पुलिस क्यों नहीं थी। महिलाओं पर लाठीचार्ज पुरुष पुलिसकर्मी ने क्यों किया। जब तक वीडियो फुटेज नहीं देखे जाते, तब तक कुछ भी कहना उचित नहीं होगा। इसलिए एसएसपी को निर्देश दिया गया है कि वे खुद निगरानी में वीडियो देखने के बाद दोषियों पर कार्रवाई करें। केवटी विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने कहा, घायलों से मिलने डीएमसीएच गया था। एसडीपीओ सदर का कहना है कि सिर्फ धक्का-मुक्की हुई थी। लेकिन अस्पताल में घायलों की हालत देखकर ऐसा लग रहा है कि लाठीचार्ज हुआ है।

महिलाओं पर भी लाठियां बरसाई : वहीं, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सपना भारती ने कहा कि प्रशासन ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज किया। इसमें 15 से 20 लोग घायल हुए। सभी का इलाज डीएमसीएच में चल रहा है। पुरुष कार्यकर्ताओं पर जब लाठीचार्ज शुरू हुआ, तब महिलाएं बचाव के लिए आगे आईं। पुरुष कर्मियों ने महिलाओं पर भी लाठियां चलाईं।

संक्षिप्त समाचार

नौकरी दिलाने के नाम पर बंधक बनाने वाले एनामुल हक की संपत्ति होगी कुर्क

बीएनएम। मोतिहारी । देश-विदेश के हजारों युवाओं को रोजगार के नाम पर ठगी एवं उगाही करने वाला डीवीआर कम्पनी का सरगना एनामुल हक पर पुलिस ने सख्ती बरतना शुरू कर दिया है।इसको लेकर रविवार को रक्सौल पुलिस पूरे दलबल और गाजे बाजे के साथ एनामुल हक के घर रामगढ़वा थाना क्षेत्र के बेला गांव पहुंची। पुलिस ने एनामुल के घर के बाहर कुर्की से सबंधित इश्तेहार चस्पाया और माइकिंग कर गाजे बाजे के साथ आसपास के लोगो को उंसके फरार होने एवं सम्पति कुर्क करने की जानकारी दी। इश्तेहार के माध्यम से पुलिस ने बताया कि नौकरी के नाम पर ठगी करने वाला 25 हजार का इनामी आरोपी एनामुल हक अगर एक सप्ताह के अंदर कोर्ट में सरेंडर नहीं करता है तो उसके सभी सम्पति को कुर्की जब्त कर लिया जाएगा। पुलिस के इस कारवाई के बाद एनामुल के सहयोगी रक्सौल के सफेदपोशों की होश उड़ गए है। एनामुल हाल ही में एक नेता के साथ पटना देखा गया था।ऐसी चर्चा है,कि एनामुल की गिरफ़्तारी के बाद ठगी कंपनी में शामिल कई सफेदपोशों की राज का पर्दाफाश होगा। उल्लेखनीय है,कि पिछले 28 मार्च को एसएसबी और रक्सौल पुलिस ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन चलाकर रक्सौल शहर के मौजे, कौड़िहाड,कोईरिया टोला , सैनिक रोड, नागा रोड , कॉलेज रोड व सभ्यता नगर समेत कई जगहो छापेमारी करते हुए 568 बच्चें को मुक्त कराया था। जिसमे 79 नाबालिग बच्चे और 4 लड़कियां शामिल थी।

बेलाही राम पंचायत में चलाया गया भाजपा बूथ सशक्तकरण अभियान

बीएनएम। पताही। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष टूनटून सिंह ने भाजपा को बूथ स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से मंडल के बेलाही राम पंचायत के बूथ अध्यक्षों व भाजपा कार्यकर्ताओ के साथ एक बैठक की। बैठक में मंडल अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव में अपने बूथ को मजबूत करने को लेकर पार्टी के निर्देश को विस्तार से बताया। बैठक में शक्ति केंद्र प्रमुख नवल किशोर कुशवाहा व भाजपा कार्यकर्ता ज्ञानदीप रंजन, पप्पू पासवान, उमाशंकर शाह, शिवमंगल साह, अमीरी बैठा इत्यादि मौजूद थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के मोतिहारी- अरेराज मुख्य मार्ग पर शनिवार की मध्य रात्रि मटियारिया 12 माइल के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से 32 वर्षीय युवक राहुल कुमार सिंह की दर्दनाक मौत हो गई। राहुल गोविंदगंज थाना क्षेत्र के भेलानारी गांव वार्ड संख्या 7 के निवासी वीरेंद्र सिंह के पुत्र थे। घटना की सूचना मिलते ही 112 नंबर के पुलिस पदाधिकारी अर्जुन कुमार मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तुरंत मोतिहारी सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पड़ोसी व पूर्व जिला परिषद सदस्य पप्पू मिश्रा ने बताया कि राहुल एक बारात में शामिल होकर मोतिहारी से घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। परिवार और पड़ोसी जब रात करीब 1:30 बजे अस्पताल पहुंचे, तब तक राहुल की मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। राहुल अपने तीन भाइयों और एक बहन में सबसे छोटे थे। उनकी शादी हो चुकी थी और उनके तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं—दो बेटे और एक बेटी। पत्नी अमीषा कुमारी बेसुध हैं। राहुल की असामयिक मृत्यु ने पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ तोड़ दिया है।

मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी सेतु के समानांतर बनने वाले फोर लेन पुल का किया निरीक्षण

बीएनएम। पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को महात्मा गांधी सेतु के समानांतर गंगा नदी पर बनाये जा रहे फोर लेन पुल के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महात्मा गांधी सेतु से होते हुये गंगा नदी के दक्षिणी छोर से लेकर गंगा नदी के उत्तरी छोर तक निर्माणाधीन पुल तथा एप्रोच पथ का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने हाजीपुर के सैफपुर में पिलर नम्बर 9 के पास रूककर अधिकारियों से निर्माण कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने बताया कि यह पुल 14.5 किलोमीटर लम्बा है। महात्मा गांधी सेतु के समानांतर बनाये जा रहे इस पुल का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। साथ ही दोनों तरफ आठ लेन का एप्रोच पथ भी बनाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी सेतु के समानांतर इस निर्माणधीन फोर लेन पुल का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करें, ताकि महात्मा गांधी सेतु पर अत्यधिक ट्रैफिक लोड के कारण लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिले।

पुल के निर्माण सेउत्तर और दक्षिण बिहार के पांच जिलों को फायदा-इस पुल के निर्माण से उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के बीच यातायात व्यवस्था और सुगम हो जायेगी। मुजफ्फरपुर, सारण तथा वैशाली जिला की जनता को इसका सीधा लाभ मिलेगा और पटना पहुंचना आसान हो जायेगा।

संवाद कार्यक्रम से महिलाओं की बढ़ती भागीदारी

बीएनएम। सहरसा। राज्य भर में महिला संवाद कार्यक्रमों का सिलसिला पिछले 52 दिनों से लगातार जारी है । इसी क्रम में जिले के अलग-अलग प्रखंडों में रविवार को कुल 24 स्थानों पर यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए । अब तक 1215 स्थानों पर इस कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हो चुका है, जिसमें 3 लाख से अधिक महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई है । प्रतिदिन 24 ग्राम संगठनों में आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में औसतन 6 हजार से अधिक महिलाएं शामिल हो रही हैं । इन संवाद कार्यक्रमों के दौरान महिलाओं की आकांक्षाओं को डिजिटल माध्यम से मोबाइल ऐप पर दर्ज किया जा रहा है । अब तक कुल 33,271 आकांक्षाओं को रिकॉर्ड किया गया है। सरकार इन आकांक्षाओं को गंभीरता से ले रही है और इन्हें विभागों के बीच वर्गीकृत कर संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए भेजा जा रहा है ।महिलाओं द्वारा व्यक्त किए गए मुद्दों में सामाजिक हित से जुड़े विषय प्रमुख हैं । सामुदायिक सुविधाओं में विस्तार, कुपोषण उन्मूलन, और रोजगार के अवसर बढ़ाने जैसे विषयों को प्राथमिकता दी जा रही है।महिषी प्रखंड के आरापट्टी पंचायत में मुरली आरापट्टी गाँव स्थित दर्शन जीविका ग्राम संगठन के महिला संवाद कार्यक्रम में भाग लेते हुए कुन्ती देवी ने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता पर जोर दिया । उन्होंने कहा, "बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होने से महिलाओं को उनके स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं में राहत मिलेगी ।" जिले में आयोजित इन संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाएं अपनी आकांक्षाओं को सामने रख रही हैं और सरकार से अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने की अपेक्षा कर रही हैं । यह कार्यक्रम न केवल महिलाओं को जागरूक बना रहा है, बल्कि उन्हें सामूहिक विकास की दिशा में कदम बढ़ाने का अवसर भी दे रहा है।

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय और शरण नर्सिंग होम के बीच हुआ समझौता

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षकों कर्मचारी तथा छात्र-छात्राओं को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय और शरण नर्सिंग होम के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता रघुनाथपुर स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में संपन्न हुआ। केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव की उपस्थिति में दोनों पक्षों ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से ओ एस डी सच्चिदानंद सिंह, डॉ श्याम नन्दन और डॉ बबलू पाल ने समझौते पर हस्ताक्षर किए जबकि शरण नर्सिंग होम की तरफ से स्वयं डॉ. आशुतोष शरण तथा सामाजिक कार्यकर्ता रवि शंकर वर्मा और पंकज श्रीवास्तव ने समझौते पर दस्तखत किए। इस समझौते के तहत केंद्रीय विश्वविद्यालय से जुड़े शिक्षकों कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं को विभिन्न चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने का करार किया गया है। विश्वविद्यालय के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर से चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा के इसे भागीरथी प्रयास बताते हुए महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि विश्विद्यालय के तमाम शिक्षकों और कर्मचारियों सहित छात्रों के स्वास्थ्य की चिंता करना और उनके स्वस्थ्य जीवन के लिए आगे बढ़कर सेवा देने के लिए तत्परता से दृढ़संकल्पित होकर निर्णय लेना मानव कल्याण के लिए डॉ आशुतोष शरण के समर्पण को दर्शाता है । उन्होंने आगे कहा कि - संभवतः देश में यह पहला ऐसा उदाहरण है, जहाँ एक निजी नर्सिंग होम और एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच समझौते के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए गए आने वाले समय में डॉ. आशुतोष शरण का नाम स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। वही डॉ आशुतोष शरण ने प्रोफेसर्स ,लेक्चरर्स और कार्यरत कर्मियों के साथ साथ छात्रों के स्वास्थ्य के विषय में चिंता जाहिर करते हुए कहा कि मोतिहारी शहर में केंद्रीय विश्वविद्यालय का होना ही एक गौरव की बात है और देश के कोने कोने से प्रोफेसर यहां बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए दिन रात एक किए हुए है तो समाज का भी उत्तरदायित्व बनता है कि इन युगनिर्माताओं के स्वास्थ्य की चिंता की जाए और इसी कड़ी में आज इस सेवा की शुरुआत हुई,उन्होंने आगे कहा कि कुलपति महोदय और उनकी टीम के संकल्प को देखते हुए वे काफी प्रभावित है और कुलपति महोदय के इस कार्यकाल में विश्विद्यालय देश में नाम अर्जित कर रहा है ,पहले भी यहाँ छात्रों के दीक्षांत समारोह में माननीय राष्ट्रपति,उपराष्ट्रपति के साथ साथ बिहार के गवर्नर और मुख्यमंत्री का दौरा सफलता पूर्वक सम्पन्न हो चुका है, जिससे छात्रों में एक नयी ऊर्जा का संचार हुआ है और वे अपने भविष्य को सजाने में दिन रात जुटे हैं । डॉ आशुतोष शरण ने कहा कि इस फैसले ने उन्हें और अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। इस पूरे कार्यक्रम में कुलपति महोदय के साथ डॉ श्यामनंदन ,ओ एस डी सच्चिदानंद सिंह,सेहत केंद्र के प्रभारी डॉ बबलू पाल, डॉ पाथलोथ ओमकार , रविशंकर वर्मा , आदित्य , आनन्द, आदि उपस्थित रहे।

सरकारी नीतियां जन विरोधी: डीवाईएफआई

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। भारत की जनवादी नौजवान सभा पूर्वी चंपारण जिला कमेटी की बैठक जिला अध्यक्ष विकी कुमार कुशवाहा के अध्यक्षता में तथा राज उपाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार मिश्रा के पर्यवेक्षण में जिला कार्यालय चांदमारी मोतीहारी में संपन्न हुआ ! बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के नेताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार के नीतियों को युवा विरोधी करार दिया तथा देश हित में नौजवानों को सरकार के गलत नीतियों के विरुद्ध आंदोलन करने के लिए सलाह दी। बैठक में संगठन के संयुक्त सचिव राजेश राम ने संगठन के द्वारा किए गए कामों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर पिंटू कुमार, रवि किशन कुमार, अमरेश कुमार, संजय कुशवाहा, रंजीत यादव,राजन यादव, संदीप कुमार, सुभाष कुशवाहा, संतोष कुमार ने विस्तार से बहस कर प्रतिवेदन को संपुष्ट किया। तत्पश्चात सदस्यता अभियान चलाकर पूरे जिले में नौजवानों को जोड़ने का निर्णय लिया गया।अगस्त माह में जिला सम्मेलन कराकर नए नेतृत्व का चुनाव करने का भी निर्णय लिया गया। साथ ही मुजफ्फरपुर में दलित लड़की के बलात्कार के उपरांत हुई मौत पर आक्रोश जाहिर करते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा की मांग की गई।

हर घर तक कांग्रेस की जन पक्षीय नीतियां और सरकार की विफलताएं पहुंचाई जाएगी: सुशील कुमार पासी

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के बंजरिया पंडाल स्थित जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय में रविवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी (एआईसीसी) के सचिव एवं बिहार प्रभारी सुशील कुमार पासी के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ आगामी कार्यक्रमों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में सुशील पासी ने संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में निरंतर बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और अपराध के खिलाफ कांग्रेस पार्टी बूथ स्तर तक जन-जागरूकता अभियान चला रही है। पार्टी का उद्देश्य है कि हर घर तक कांग्रेस की जनपक्षीय नीतियां और सरकार की विफलताएं पहुंचाई जाएं। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने जानकारी दी कि आज दिनांकः 09 जून, 2025 को विधानसभा स्तरीय संगठनात्मक समीक्षा बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सुबह 10:00 बजे गोविन्दगंज विधानसभा तथा दोपहर 3:00 बजे रक्सौल विधानसभा में कार्यक्रम आयोजित होगा। इन बैठकों में संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आम जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि संगठनात्मक मजबूती के साथ आगामी चुनावी तैयारियों को गति दी जा सके। इस मौके पर एआईसीसी साथी अभिनव संगम, पूर्व जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार शुक्ला, प्रो. विजय शंकर पाण्डेय, शैलेन्द्र सिंह, विनय सिंह, विजय कुमार जायसवाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

चिराग पासवान लड़ेंगे बिहार विधानसभा चुनाव, कहा-मुझे कहां से चुनाव लड़ना है जनता तय करेगी

बीएनएम। पटना

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को उस कयास पर विराम लगा दिया है,जिसमें उनके विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चा लंबे समय से चल रही थी। उन्होंने खुद इस बात की घोषणा कर दी है कि वो बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ंगे। आरा से बिहार विधानसभा चुनाव-2025 का शंखनाद करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि मैं चुनाव लड़ूंगा, लेकिन मुझे कहां से चुनाव लड़ना है यह बिहार की जनता तय करेगी। नव संकल्प महासभा में बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट की हुंकार भी गूंजी। चिराग ने कहा कि मैं विधानसभा का चुनाव लड़ूंगा। 243 सीटों पर चुनाव लड़ूंगा। बिहार को फर्स्ट और बिहारियों को फर्स्ट बनाने के लिए लड़ूंगा। मैं बिहार के लिए चुनाव लड़ूंगा। उसके पीछे की सोच अपनी पार्टी के स्ट्राइक रेट को मजबूत करना होगा। गठबंधन को मजबूती देना होगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी किसी भी तरह से एनडीए से अलग नहीं है, बल्कि उनका लक्ष्य गठबंधन को और अधिक मजबूती देना है। उन्होंने अपने संबोधन में यह भी दोहराया कि एलजेपी (आर) हमेशा से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास रखती है। चिराग पासवान ने महासभा में बड़ी घोषणा की। चिराग पासवान ने ऐलान करते हुए कहा कि बिहार के लिए नहीं, बल्कि बिहारियों के लिए बिहार विधानसभा का चुनाव जरूर लड़ूंगा। मुझे कहां से चुनाव लड़ना है, ये बिहार की जनता तय करेगी। आपका फैसला ही मेरा निर्णय होगा। मेरा गठबंधन सिर्फ और सिर्फ बिहार की जनता के साथ है। चिराग ने बिहार की जनता से वादा किया कि बिहार को देश का नंबर-वन राज्य बनाकर रहेंगे। चिराग ने कहा कि मेरे अपनों ने ही मुझे घर से बाहर निकाल दिया था। तब यहां की जनता ने मेरा साथ दिया। बिहार की जनता ही मेरा परिवार है, ऐसे में अब यह फैसला भी बिहार की जनता को ही लेना है कि मैं कहां से विधानसभा चुनाव लड़ूं। यह भी आप पर ही छोड़ता हूं। आप जहां से बोलेंगे मैं वहां से बिहार विधानसभा चुनाव लड़ूंगा और आपके क्षेत्र का विधायक बनूंगा। विपक्ष पर हमला बोलते हुए चिराग ने कहा कि लोग भूल गए कि मैं शेर का बेटा हूं। मुझे और मेरी पार्टी खत्म करने की साजिश रची गई थी। तथाकथित जंगलराज पर तीखा हमला बोलते हुये उन्होंने कहा कि जब हम जंगलराज की बात करते हैं, तो लोग इसे केवल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी)से जोड़कर देखते हैं। लेकिन सच यह है कि इसके लिए कांग्रेस भी बराबर की जिम्मेदार है। बिहार के उस दौर में दोनों दल सत्ता में साझेदार रहे और राज्य को अराजकता की ओर धकेला। नव संकल्प महासभा में चिराग पासवान के अलावा उनकी पार्टी के सभी पांचों सांसद, प्रदेश अध्यक्ष, संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान मौजूद रहे। सभा में भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, बक्सर और पटना के अलावा कई अन्य जिलों से बड़ी संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता शामिल हुये। चिराग की इस महासभा को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है और समझा जा रहा है कि बिहार में विधानसभा चुनाव होने में भले ही कुछ महीने बाकी हैं, लेकिन लोजपा (आर) ने इस महासभा से चुनावी शंखनाद कर दिया है।

एस मार्ट मॉल का हुआ उद्घाटन: एसपी सिंह

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। बाबा नगरी अरेराज में एस मार्ट मॉल का चौथा ब्रांच का हुआ उद्घाटन इस उद्घाटन के मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष पवन राज यामाहा शोरूम के मालिक एसपी सिंह प्रहलाद गिरी एस मार्ट के मलिक शिवचंद्र चौधरी इत्यादि मौजूद थे। श्री चौधरी ने बताया कि यह मार्ट बाबा की नगरी अरेराज में शिवराज मार्केट न्यू सिनेमा कैंपस में किया गया है। एस मार्ट में बच्चों बडो और महिलाओं युवाओं के सभी तरह के सामान उपलब्ध है। इस माल के खुल जाने से यहां के वासियों को बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी एक ही छत के नीचे सभी प्रकार के कपड़े बर्तन गिफ्ट आइटम इत्यादि की सुविधा

उपलब्ध है। इस माल के खुलने पर लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने शुभकामनाएं दी। अतिथियों का स्वागत नीतिश सिंह द्वारा किया गया। उक्त जानकारी यामाहा के प्रोपराइटर एसपी सिंह ने दी

रघुनाथपुर पुलिस ने बाइक चोर को किया गिरफ्तार, चोरी की बाइक बरामद

बीएनएम। तुरकौलिया

रघुनाथपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक बाइक चोर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई बाइक भी बरामद कर ली गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रघुनाथपुर वृत्त के पप्पू गिरी की बाइक शनिवार शाम उनके दरवाजे से चोरी हो गई थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू की और आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार चोर की पहचान केसरिया थाना क्षेत्र के बेनीपुर निवासी गोलू कुमार के रूप में हुई है, जो वर्तमान में बंजरिया चैलाहा में रह रहा था। थानाध्यक्ष विकास कुमार पासवान ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उसकी निशानदेही पर अन्य चोरों की गिरफ्तारी और चोरी की गई अन्य बाइकों की बरामदगी के लिए छापेमारी की जा रही है।

परिसीमन नहीं होने से उत्तर भारत के राज्यों को हो रहा है नुकसान : उपेंद्र कुशवाहा

बीएनएम। पटना

राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने रविवार को मुजफ्फरपुर क्लब मैदान में 'संवैधानिक अधिकार, परिसीमन सुधार' महारैली में अपनी सियासी ताकत का प्रदर्शन किया। महारैली के माध्यम से उन्होंने एक बार फिर बिहार में इन दोनों मुद्दों को महत्व देने की कोशिश की। रैली को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा हम परिसीमन को लेकर लड़ाई लड़ रहे हैं, जिसमें दक्षिण के कुछ नेताओं द्वारा विरोध किया जा रहा है। लेकिन अब मुझे जिस तरह से शाहाबाद और मुजफ्फरपुर में लोगों का साथ मिल रहा है, उससे अप्रत्यक्ष समर्थन बढ़ने लगा है। बिहार में केवल राष्ट्रीय लोक मोर्चा ही यह काम कर रही है। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि परिसीमन नहीं होने से उत्तर भारत के राज्यों को नुकसान हो रहा है। परिसीमन का आधार जनसंख्या है, लेकिन पिछले 50 सालों में दो बार परिसीमन को रोका गया है, जिससे हिंदी पट्टी के राज्यों को विभिन्न योजनाओं में मिलने वाली राशि के नुकसान के रूप में झेलना पड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत में 2026 में परिसीमन होना है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 82 देश में हर दस सालों में जनगणना करवाने के बाद परिसीमन आयोग का गठन कर लोकसभा सीटों की संख्या का फिर से निर्धारण करने का अधिकार देता है। वहीं, अनुच्छेद 170 राज्यों में विधानसभा के निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा और संख्या तय करने का अधिकार देता है। अभी तक देश में 1951, 1961, 1971 की जनसंख्या के आधार पर परिसीमन कर लोकसभा की सीटों को निर्धारित किया गया है। परिसीमन का उद्देश्य राज्यों के लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या आबादी के अनुसार निर्धारण करना है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष ने कहा कि देश में परिसीमन 1971 तक आबादी के अनुसार तय होता रहा, किन्तु 1976 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने परिसीमन को 25 वर्षों के लिए फ्रीज कर दिया | देश में आपातकाल लागू था और इसी का फायदा उठाकर 42वें संविधान संशोधन के जरिये परिसीमन को फ्रीज किया गया। पुनः यह रोक अगले 25 साल तक के लिए बढ़ा दी गई| यह अवधि साल 2026 में पूरी होने जा रही है| वहीं, वर्ष 2009 में भी परिसीमन तो किया गया, लेकिन लोकसभा की सीटों को स्थिर रखते हुए सिर्फ निर्वाचन क्षेत्रों को आबादी के अनुसार संतुलित करने का काम किया। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि कुछ लोग मीडिया के माध्यम से विधानसभा में हमारी सीटों की संख्या कम बता बता कर हमारी पार्टी के इस 'संवैधानिक अधिकार, परिसीमन सुधार' अभियान को कमजोर करने का षड्यंत्र कर रहे हैं। उन्हें बताना चाहता हूं कि हमारे साथ आपकी ताकत है इसलिए हम घबराने वाले नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

जन सुराज की समीक्षात्मक बैठक

बीएनएम। बेतिया। जन सुराज के पश्चिम चंपारण जिला अध्यक्ष कमलेश कुमार के निर्देशानुसार रविवार को बगहा संगठन जिला की एक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संगठन महिला अध्यक्ष सुधा देवी ने की। बैठक में बगहा संगठन जिला अंतर्गत तीनों विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव को मजबूती से लड़ने और जीतने की रणनीति पर चर्चा की गई । बूथ एवं पंचायत स्तर के सभी पदाधिकारियों को जनता के बीच सक्रिय रूप से कार्य करने हेतु निर्देश दिए गए। इसके साथ ही संभावित प्रत्याशियों को कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित करने पर चर्चा। इस अवसर पर संगठन जिला के प्रमुख पदाधिकारियों में महासचिव रामू चौधरी, विनोद प्रसाद, युवा अध्यक्ष अभय पासवान, संगठन के मुख्य प्रवक्ता अनूप कुमार,सत्यनारायण काजी,विश्व मोहन प्रसाद, वाल्मीकि चौधरी, प्रखंड संगठन के पदाधिकारीगण, जिला महासचिव सचिंद्र पाण्डेय, अभियान समिति संयोजक अभिजय सिंह, जिला मुख्य प्रवक्ता ई. सिकंदर चंद्रा भी उपस्थित थे। प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य नंदेश पाण्डेय, सहोदरी देवी,गीता पासवान,स्मिता चौरसिया, दृगनारायण प्रसाद,सत्यनारायण काजी तथा काशी बैठा ने भी बैठक में भाग लिया। युवा नेताओं में ई. रविकेश कुशवाहा, अभिलाष तिवारी, यूथ क्लब संयोजक श्री आरिफ अंसारी,नागमणि कुमार,कार्यालय प्रभारी इमरान अंसारी सहित अन्य युवा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

युवक को लगा करंट,रेफर

बीएनएम। जमुई /झाझा। कानन गांव में घर मे पंखा चालू करने के लिए घर मे संचालित हो रहे बिजली की तार जोडने के क्रम में एक युवक को करंट लग गया। युवक की पहचान बिक्की कुमार के रूप में हुई है। घर वालों के द्वारा हो हल्ला मचाने पर तार में सटे युवक को किसी तरह अलग करने के बाद उसे तुरन्त रेफरल अस्पताल झाझा लाकर भर्ती करवाया। जहां डॉक्टर ने उसका इलाज किया और स्थिति नाजुक देखकर उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। अस्पताल में

पहुंचे परिजनों ने बताया कि जिस वक्त वह कमरे में सीलिंग में लगा पंखा का तार जोड़ रहा था उस वक्त वह कमरे में अकेले था। बिजली की तार में करीबन 5 मिनट तक सटा रहा जब कमरे में बहू गई तो करंट की चपेट में आए बिक्की को देखकर हो हल्ला मचाया जिसके बाद लोग जल्दी से कमरे में पहुंचा। वही परिजनों ने बिक्की को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल न ले जाकर उसे शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए लेकर चला गया

श्री श्री 108 शनि मंदिर का वार्षिक उत्सव 11को

बीएनएम। जमुई /झाझा। श्री श्री 108 शनि भगवान की प्रतिमा का वार्षिक उत्सव नगर क्षेत्र के पुरानी बाजार में धूमधाम के साथ 11 जून को मंदिर कमेटी की ओर से मनाया जाएगा। जानकारी देते हुए कमेटी के सदस्य लक्ष्मण झा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरे धार्मिक अनुष्ठान के साथ वार्षिक उत्सव मनाई जाएगी और भगवान शनि की पूरे वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा होगी। मंदिर कमेटी के अन्य सदस्य उदयशंकर झा, सुशील झा ने बताया कि वार्षिक उत्सव को लेकर तैयारी भी जोरशोर से किया जा रहा है। सभी धर्म प्रेमियों से आग्रह है की पूजा में भाग लेकर पुण्य का भागी बने।

घर में छुपा कर रखे गए दो शीशम की गुल्ली जब्त

बीएनएम। बगहाः रैयती वनक्षेत्र बगहा के रेंजर सुनील कुमार के निर्देश में रैयती व मदनपुर वनक्षेत्र के कर्मियों ने छापेमारी कर पठखौली थाना क्षेत्र अंतर्गत मलकौली तेजानगर निवासी प्रदीप साहनी के घर छापेमारी कर दो अदद शीशम की गुल्ली जब्त किया है। रैजर सुनील कुमार ने बताया कि वनपाल रविंद्र कुमार वनरक्षी अंजू कुमारी तथा मदनपुर वनक्षेत्र के कर्मियों को मिलाकर एक टीम बनाई गई। जिनको मौके पर भेजा गया। टीम के द्वारा छापेमारी के क्रम में दो अदद शीशम की गुल्ली जब्त की गई है। रेंजर ने बताया कि मामले में अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग की इस कार्रवाई से धंधेबाजों में हडकंप मच गया है।

शराब के साथ महिला कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। बगहाः नौरंगिया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक महिला को शराब के साथ गिरफ्तार किया है। नौरंगिया थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि मदनपुर निवासी ओमप्रकाश साहनी के घर गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई तो मौके से पांच लीटर क्षमता वाले गैलन में भरकर रखी गई देशी शराब को बरामद की गई। साथ हीं ओमप्रकाश साहनी की पत्नी चांदवती देवी की स्वीकारोक्ति के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। हालाकि इसके पुर्व पुलिस को देख चादवती देवी ने भागना चाही मगर पुलिस ने दौड कर उसे पकड़ लिया।

आरोपित गिरफ्तार

बीएनएम। बैरिया : श्रीनगर थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के हरपुरवा से सोशल मीडिया पर जाति सूचक गाली देने के मामले में बदरी मुखिया के पुत्र रामभरोस निषाद को गिरफ्तार कर लिया। श्रीनगर थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते सप्ताह जाति सूचक गाली देकर बीडीओ

इंस्टाग्राम पर अपलोड किया था। उक्त मामले में पखनाहा बाजार निवासी कृष्ण कुमार राम ने आवेदन देकर पुलिस को जानकारी दी थी । थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में पुलिस कार्रवाई करते हुए रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

6.55 करोड़ की लागत से दो फेजों में होगी काली धाम कोरिडोर बनाने की शुरुआतः गरिमा

बोले नगर आयुक्त नगर निगम बोर्ड से पारित प्रारूप के आधार पर शीघ्र जारी की जाएगी ऐतिहासिक मंदिर के जीर्णोद्धार की निविदा

» नगर निगम बोर्ड से डीपीआर के प्रारूप को मिली प्रशासनिक स्वीकृति
» नगर आयुक्त और महापौर ने किया स्थल निरीक्षण

बीएनएम। बेतिया

स्थल निरीक्षण, करते नगर आयुक्त व महापौर

महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि छह फेज में होने वाले 'माँ कालीधाम कोरिडोर' के निर्माण को लेकर 3.25 करोड़ से फर्स्ट फेज और 3.30 करोड़ से दूसरे फेज के डीपीआर की की प्रशासनिक स्वीकृति नगर निगम बोर्ड से मिलने के बाद काम शुरू करने की पहल तेज कर दी गई है। कुल 6.55 करोड़ की लागत से दोनों फेजों के कार्य के द्वारा 'माँ कालीधाम कोरिडोर' बनाने की शुरुआत की जाएगी। नगर निगम बोर्ड से डीपीआर के प्रथम दो प्रारूप को प्रशासनिक स्वीकृति मिल जाने को लेकर महापौर श्रीमती सिकारिया ने नगर आयुक्त लक्ष्मण तिवारी के साथ स्थल निरीक्षण किया। इस मौके पर महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि उनके आवेदन पर राजस्व पर्षद बिहार से मिली स्वीकृति के आलोक में पौराणिक महत्व के इस ऐतिहासिक दक्षिणेश्वर स्वरूप वाले मां काली धाम मंदिर के मूल स्वरूप को संरक्षित और बरकरार रखते हुए कसीदा युक्त राजस्थानी मार्बल से मंदिर और परिसर की फर्श का नव निर्माण कराए जाने की योजना को नगर निगम बोर्ड से स्वीकृति मिली है। वही नगर निगम के प्रथम आईएएस नगर आयुक्त लक्ष्मण तिवारी ने बताया कि नगर निगम बोर्ड से पारित प्रारूप के आधार पर शीघ्र ही इस पौराणिक महत्व के ऐतिहासिक मंदिर के संपूर्ण जीर्णोद्धार की निविदा जारी की जाएगी। स्थल निरीक्षण के माध्यम से डीपीआर के प्राप्त प्रारूप के आलोक में सत्यापन किया जा रहा है।

महासागर जीवन का आधार उसका संरक्षण हमारा अधिकारः प्रो. गौरी शंकर

बीएनएम। जमुई

» महासागर मानव जीवन की शुद्ध शरणस्थली और मानवता की अमूल्य धरोहर

विश्व महासागर दिवस के अवसर पर नगर परिषद स्थित आनंद विहार कॉलोनी श्रीचंद नवादा में "मानव जीवन में महासागर का महत्व, संरक्षण और हमारा दायित्व" विषय पर एक परिचर्चा आयोजित की जिसकी अध्यक्षता स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. (प्रो.) गौरी शंकर पासवान ने की। प्रो. गौरी शंकर पासवान ने महासागर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए और समुद्र की समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि महासागर मानव जीवन की शुद्ध शरणस्थली और मानवता की बहुमूल्य धरोहर है। समुद्र जीवन का आधार, तो उसका संरक्षण हमारा दायित्व व अधिकार है। हमें समुद्र के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। महासागर हमें सीख देता है कि हमारा सुनहला भविष्य महासागरों पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि हमारा महासागर- हमारा दायित्व और हमारा अवसर सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि धरती पर जीवन और अस्तित्व की सबसे बड़ी चेतावनी और प्रेरणा है। समुद्र हमारे लिए केवल जल राशि नहीं, बल्कि भोजन,जलवायु, संतुलन, व्यापार और जैव विविधता का मुख्य स्रोत है। पृथ्वी के करीब 71% भागों पर महासागर है। महासागर 80% से अधिक जीवन का शरणस्थली और तारणहार है। उन्होंने कहा कि समुद्र करोड़ों अरबों जीव जंतुओं को भोजन प्रदान करता है.50 प्रतिशत ऑक्सीजन महासागर से प्राप्त होता है उन्होंने कहा कि आज समुद्र भी खतरे में है। क्योंकि प्लास्टिक प्रदूषण, तेल रिसाव, मछलियों का अत्यधिक शिकार, तटीय अतिक्रमण और जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र की सेहत बिगड़ रही है. लाखों समुद्री जीव जंतु प्लास्टिक निगल कर मर रहे हैं.मूंगे की चटानें नष्ट हो रही हैं.

अस्पताल में महिला के मायके और ससुराल वालों के बीच झड़प

बीएनएम। जमुई /झाझा

अस्पताल में झगड़ा करती दोनो पक्षों की महिलाएं

अस्पताल में अचानक हो हल्ला और झगड़ा देखकर अस्पताल के गार्ड, एएनएम अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के द्वारा मामला को शांत करवाया गया। मामला रेफरल अस्पताल में प्रसव के लिए गर्भवती महिला को भर्ती करवाये जाने को लेकर गर्भवती महिला के मायके वाले और ससुराल वालों के बीच अस्पताल में हंगामा हो गया और दोनो पक्षों के बीच झगड़ा हो गया। दरअसल गर्भवती महिला सुलेखा देवी अपने मायका छापा में थी और दर्द बढ़ने पर उसे उसकी मां एवं बहन के द्वारा आशा के साथ रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां गर्भवती महिला के ससुराल गोविंदपुर के घर वालों को जानकारी मिली तो लोग अस्पताल पहुंच गए जिसके बाद सुलेखा को निजी अस्पताल ले जाने की बात बढ़ी और देखते ही देखते महिला के मायके और ससुराल की महिलाओं के बीच विवाद झगड़ा में तब्दील हो गया। ओपीडी रूम के बाहर हो हल्ला सुनकर अस्पताल के सभी कर्मी मौके स्थल पर पहुंचकर झगड़ा को शांत करवाया। जिसके बाद गर्भवती महिला को प्रसव के लिए रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

नियमित रूप से डॉक्टरों की उपस्थिति नहीं होने से रोगियों को इलाज में दिक्कत

अनुमंडलीय अस्पताल बगहा के आपातकालीन सेवा वार्ड का हाल बेहाल

बीएनएम। पश्चिम चंपारण

जिला अंतर्गत पुलिस जिला बगहा के अनुमंडलीय अस्पताल बगहा की आपातकालीन सेवा वार्ड में घोर लापरवाही बरती जा रही है। आपातकालीन रात्रि सेवा वार्ड में मध्य रात्रि से प्रातः काल तक न चिकित्सक और नाही को अन्य सहयोगी चिकित्सा कर्मी ना ही कोई गार्ड समय पर उपलब्ध रहते हैं। यहां तक कि आपातकालीन दवा वितरणी काउंटर पर कोई अन्य चिकित्सा कर्मी मौजूद होता है। जहां आकस्मिक चिकित्सा कराने आए मरीजों को पर्ची कटवाने के लिए गहरी नींद में सोए गार्ड को ढूंढ कर पर्ची कटवाने के लिए मजबूर होते हैं ।दवा काउंटर पर चिकित्सा के द्वारा लिखी हुई अधिकांश दवाएं अनुपलब्ध होती हैं और उन्हें बाहर से लाने के लिए लोगों को बाजार जाना पड़ता है। मध्य रात्रि से प्रातः काल तक बाहर की अधिकांश दवा दुकानें बंद रहती हैं । जिससे मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यदि कदाचित किसी मरीज की स्थिति बिगड़ने लगती है तो अविलंब उसे जीएमसीएच बेतियां रेफर कर दिया जाता है ,परंतु उसकी परेशानियों को दूर नहीं की जा सकती जबकि अनुमंडलीय अस्पताल में हर रोग के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध हैं। यहां कहीं ना कहीं अस्पताल प्रशासन और प्रबंधन का दोष है जहां मरीजों को घोर लापरवाहियों का सामना करना पड़ रहा है। यही वह अनुमंडलीय अस्पताल है । जहां कुछ वर्ष पहले चिकित्सक सहित सभी चिकित्सा कर्मी ससमय उपलब्ध रहते थे, लेकिन कुछ वर्षों के बाद अभी तक अनुमंडलीय अस्पताल बगहा में आपातकालीन सेवा वार्ड में घोर अनियमितताएं बढ़ती जा रही हैं इसमें संभवत अस्पताल प्रशासन एवं प्रबंधन का दोष है।जो चिंतनीय है।

पर्यावरण जागरूकता सप्ताह का आयोजन

बीएनएम। जमुई/गिद्धौर

क्विज प्रतियोगिता के शामिल छात्र-छात्रायें

जिले में पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विगत एक दशक से सक्रिय साइकिल यात्रा एक विचार टीम ने अपने 492वें रविवारीय अभियान के तहत गिद्धौर में पर्यावरण जागरूकता सप्ताह का शानदार समापन किया। इस अवसर पर ग्रीन ओलंपियाड-2025 के अंतर्गत चित्रकला, निबंध लेखन, और क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें दर्जनों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके साथ ही पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। टीम ने गिद्धौर टाउन हॉल के पीछे एक निजी जमीन पर एक दर्जन पौधे लगाए। इस दौरान भूमि स्वामी झूलन राम ने पौधों की सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प लिया। टीम ने आसपास के ग्रामीणों को हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया, जिसे स्थानीय लोगों ने सराहा। इसके बाद, टीम गिद्धौर सेंट्रल स्कूल पहुंची, जहां जन शिक्षण संस्थान, जमुई के प्रशिक्षुओं के बीच पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। ग्रीन ओलंपियाड-2025 के तहत आयोजित चित्रकला, निबंध लेखन, और क्विज प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में जैव विविधता विषय पर संवाद, चित्रकला, निबंध और क्विज प्रतियोगिता आयोजित हुई। सभी प्रतिभागियों को उनकी भागीदारी के लिए एक-एक पौधा और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि पर्यावरणविद् कुणाल सिंह ने कहा, "ग्रीन ओलंपियाड बच्चों को प्रकृति, पर्यावरण, और जैव विविधता के महत्व से अवगत कराने का एक प्रभावी मंच है। कार्यक्रम में गिद्धौर सेंट्रल स्कूल के निदेशक अमर सिंह, मंचीय सदस्य विकास रंजन, गोलू कुमार, राकेश कुमार, हर्ष कुमार सिन्हा, और जन शिक्षण संस्थान, जमुई के दर्जनों लाभार्थी उपस्थित रहे। स्थानीय लोगों और स्कूल प्रशासन ने इस पहल की सराहना की और इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। ग्रीन ओलंपियाड और साइकिल यात्रा जैसे आयोजन न केवल पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि सामुदायिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित करते हैं। इन कार्यक्रमों ने स्थानीय समुदाय, विशेष रूप से युवाओं और बच्चों को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने के लिए प्रेरित किया है। पौधारोपण और प्रतियोगिताओं के माध्यम से नई पीढ़ी में प्रकृति के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना जागृत हो रही है, जो दीर्घकालिक रूप से पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

जिले में आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर संचालित होगा गैर -संचारी रोग कार्यक्रम

बीएनएम। लखीसराय

» हर सप्ताह गुरुवार को गैर -संचारी रोग कार्यक्रम अन्तर्गत होगी स्क्रीनिंग

जिले के सभी संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (हेल्थ एंड वेलनेस केंद्र) पर सप्ताह के हर गुरुवार को निर्धारित गैर -संचारी रोग दिवस के अन्तर्गत स्क्रीनिंग की जानी हैं। इस बात की जानकारी देते हुए सिविल सर्जन डॉ बीपी सिन्हा ने बताया कि जिले में कुल 92 संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर यह कार्यक्रम चलाया जाना सुनिश्चित किया गया हैं । उन्होंने बताया कि स्क्रीनिंग के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा दवा लिखे जाने के बाद संबंधित केंद्र के द्वारा उन्हें निःशुल्क दवा देने के साथ बीमारी से बचने हेतु परामर्श के साथ जागरूक भी किया जाएगा। साथ ही जांच एवं उपचार के साथ एनसीडी पोर्टल पर ससमय कुल आंकड़ों को उपलोड भी किया जाना है। गैर संचारी रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ अश्वनी कुमार ने बताया कि पत्र द्वारा निर्देशित किया गया है कि मधुमेह या उक्त रक्तचाप के रोगियों को लगातार फॉलो -उप के साथ दवाओं का सेवन आजीवन करना होता है । ऐसे रोगियों के पास दवाओं का निरंतरता बनाये रखने के लिए ग्रामवार गैर -संचारी रोग के उपचार लेने वाले व्यक्तियों का लाइन -लिस्ट बनाकर प्रखंड मूल्यांकन एवं अनुश्रवन सहायक (BMEA) के द्वारा पोर्टल पर उपलोड करने के बाद उसे प्रखंड सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी को उपलब्ध करना है हर गुरुवार को साथ ही इस लिस्ट को आशा फैसिलिटेटर के माध्यम से आशा को उपलध करायी जानी है। ताकि आशा के द्वारा उक्त व्यक्ति को इस कार्यक्रम के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर (हेल्थ एंड वेलनेस केंद्र) तक लाकर जांच के साथ समुचित इलाज भी किया जा सके . डॉ अश्वनी कुमार ने बताया कि गैर-संचारी रोग एक दीर्घकालिक विकार के रूप में परिभाषित किया गया है। जो पर्यावरणीय, शारीरिक, आनुवंशिक और साथ ही व्यवहार संबंधी कारकों जैसे विभिन्न कारकों के संयोजन के कारण होता है। गैर -संचारी रोग वह स्थिति है जो लोगों के बीच नहीं फैल सकती है. फिर भी इसका ससमय इलाज एवं प्रबंधन बहुत ही जरूरी है ।

रुद्र महायज्ञ को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

» 25010कुंवारी कन्याओं ने लिया भाग

बीएनएम। बैरिया

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु

प्रखंड क्षेत्र के लौकरिया में रविवार की सुबह में श्री रुद्र महायज्ञ को लेकर कलश यात्रा निकाली गई । इस कलश यात्रा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। 2501 कुंवारी कन्याओं ने अपने माथे पर कलश लेकर लौकरिया के विभिन्न गांवों से होते हुए गंडक के घाट पर पहुंच कर वैदिक मंत्रोचारण के बाद जल भरी। उस दौरान पूरा पंचायत भक्तिमय हो गया।हालाकि इस चिलचिलाती धूप में भी आस्था भारी पड़ा।दूर दूर से आए श्रद्धालुओ ने इस कलश यात्रा में सामिल रहे।जिस रास्ते से कलश यात्रा निकाल रहा था। उस रास्ते पर पानी पटाकर ठंडा किया जा रहा था। जगह –जगह श्रद्धालुओ के द्वारा सीतल पेजल और शरबत की व्यस्था की गई थी।वही जिस रास्ते से कलश यात्रा गुजर रहा था उस रास्ते के दोनो तरफ देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो जा रही थी।आचार्य अरविंद मिश्र ने कहा की इस ग्यारह दिवसीय यज्ञ में विशेष रूप से भगवान शिव की पूजा अर्चना की जाती है।वही इस यज्ञ से जगत का कल्याण होता है।और मंत्र ध्वनि जहा तक गूंजता है वहा के आस पास के वातावरण शुद्ध हो जाता है। महायज्ञ के अध्यक्ष सह मुखिया श्रवण शाह ने कहा कि यज्ञ से समस्त पाप,रोग,कस्ठ,विघ्न बाधा दूर हो जाता है। वही इस महायज्ञ में काशी,बृंदाबन समेत कई जगहों से विद्वान पहुंचे है।मौके पर श्री रुद्र महायज्ञ में संचालक यज्ञ समिति अयोध्या शास्त्री जी महाराज, उपाध्यक्ष बबलू सिंह, कोषाध्यक्ष प्रिंस कुमार, उप कोषाध्यक प्रदीप यादव, महा सचिव बैद्यनाथ राम, सुरक्षा मंत्री गोविंद कुमार, रानू सिंह हैदरअली,विकास राव,बाबू जान मियां,अशर्फिक पंडित समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं का सहयोग सराहनीय रहा।

चौपाल में योजनाओं के बारे में दी गईं जानकारी

बीएनएम। लखीसराय

राज्य के गाँव-गाँव में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में सभी की सहभागिता निरंतर बढ़ती जा रही है 1 महिलाओं के साथ ही ग्रामीणों की बढती सहभागिता यह दर्शाती है कि लोग अपने अधिकार एवं कर्तव्यों के प्रति सजग हुए हैं और उन्हें लगता है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से उठाई गई उनकी इच्छाएं एवं आकांक्षाएं निश्चित तौर पर पूरी होंगी । यह पहली बार हुआ है कि उनके गाँव के चौपाल पर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है और फिर अन्य योजनाओं और सुविधाओं के संचालन हेतु सलाह ली जा रही है 1 छोटी से लेकर बड़ी मांग को सुचिवद्द किया जा रहा है और कार्यक्रम स्थल पर मौजूद अधिकारी एवं कर्मी मांगों को पूरी करने एवं समस्यायों के समाधान में लग गए हैं 1 लिहाजा सभी की रूचि कार्यक्रम के प्रति बढ़ रही है 1 महिला संवाद कार्यक्रम के समापन के कुछ ही दिन शेष है लिहाजा महिलाएं एवं छात्राएं आवश्यकतानुसार अपनी मांग को लेकर आ रही हैं 1 महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन की दिशा में बिहार में हुए कार्यों को प्रदर्शित महिला संवाद कार्यक्रम महिलाओं को नई दिशा एवं उनके अधिकारों से भी अवगत करा रहा है 1 राज्य सरकार की यह पहल राज्य एवं महिलाओं के विकास का पैमाना तय कर रही है 1 महिला संवाद कार्यक्रम में जीविका दीदियाँ एवं सरकार की योजनाओं से लाभान्वित महिलाएं अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन रही हैं 1 महिला सशक्तीकरण एवं स्वावलंबन तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की सफलता की गाथा लघु फिल्म एवं लीफलेट के माध्यम से महिलाओं तक पहुंचाई जा रही है ।नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री, बिहार का सन्देश पत्र भो कार्यक्रम में वितरित किया जा रहा है 1 लखीसराय जिला में महिला संवाद कार्यक्रम ने महिलाओं एवं छात्राओं को सफलता का सूत्र भी बताते हुए नजर आया । प्रति कार्यक्रम महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी ने सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को आत्मसात करते हुए जीवन में आये बदलाव को प्रदर्शित किया है । जीविका से जुड़कर महिलाएं सशक्त हुई हैं, गरीबी उन्मूलन में सफलता मिल रही है , स्वरोजगार के अवसर बढे हैं , घर-घर में शौचालय बना है, राशन कार्ड बन गया है, आवास योजना के तहत पक्का मकान मिल गया है, आयुष्मान कार्ड बन रहे हैं , आरक्षण की बदौलत बेरोजगारों को नौकरी मिल रही है । वही राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभ लेकर महिलाओं और उनके परिवार में खुशहाली आ रही है ,ये सब महिलाओं की जुबानी ही सुनी-सुनाई जा रही है । बड़हिया की अश्मिता सिंह ने बताया कि स्कुल और कॉलेज में मिले विभिन्न प्रकार की प्रोत्साहन योजना के चलते उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और अब उन्होंने शिक्षक पात्रता परीक्षा भी पास कर ली है । सूर्यगढ़ा के मदनपुर गाँव की कमला देवी ने बताया कि अब घर में शौचालय हो जाने से मान-सम्मान में वृद्धि के साथ ही स्वास्थ्य लाभ भी हुआ है । रविवार को सूर्यगढ़ा प्रखंड में वसंत विहार जीविका महिला ग्राम संगठन द्वारा उरेन गाँव में , दीपक ग्राम संगठन द्वारा छोरा राजपुर गाँव में, सृष्टि ग्राम संगठन द्वारा अलीनगर गाँव संवाद हुआ।

पाठ्यक्रम में आमूलचूल परिवर्तन

आईआईटी-दिल्ली ने छात्रों पर बोझ कम करने और उद्योग जगत की बदलती मांगों को पूरा करने के लिए बारह वर्षो के बाद अपने पाठ्यक्रम में आमूलचूल परिवर्तन किया है। संस्थान के निदेशक रंगन बनर्जी ने मंगलवार को एक इंटरव्यू में कहा था, 'पाठ्यक्रम में पिछली बार संशोधन 2013 में किया गया था। इस बीच, उद्योग जगत की मांग तेजी से बदल रही है..एआई एक नया उभार है, और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस सुधार की कवायद 2022 में शुरू हुई थी। पिछले कुछ वर्षो में संस्थान ने हितधारकों से व्यापक प्रतिक्रिया ली है, और उनकी मांग और जरूरत के अनुसार जरूरी बन पड़े बदलाव पाठ्यक्रम में किए हैं। पाठ्यक्रम को ही कम नहीं किया गया है, बल्कि कक्षा का आकार कम करने का फैसला भी किया गया है। पहले दो सेमेस्टर के लिए कक्षा का आकार अब 200 की बजाय 150 होगा ताकि छात्र पर अधिक ध्यान सुनिश्चित किया जा सके। कहा जा सकता है कि आईआईटी का पाठ्यक्रम संबंधी फैसला दूरगामी परिणाम हासिल करने की दृष्टि से किया गया है। देश में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। इससे पूर्व नई शिक्षा नीति लागू की जा चुकी है और अब देश के एक प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान का यह फैसला क्रांतिकारी पर्वितन की दिशा में उठाया गया कदम करार दिया जा सकता है। वैसे भी एआई और प्रोग्रामिंग जैसे पाठ्यक्रमों का शिक्षण-प्रशिक्षण जरूरी बन गया है। जरूरी है कि जटिलताएं शिक्षण-प्रशिक्षण में खासी अवरोध खड़े करती हैं। उच्च शिक्षा और खास तौर पर प्रतियोगी शिक्षण-प्रशिक्षण में विद्यार्थियों पर अनावयक तनाव रहता है, और तनाव इस कदर हावी हो जाता है कि आये दिन छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की खबरें आती रहती हैं। यदि पाठ्यक्रम का बोझ बनिस्बत कम हो और कक्षा की छात्र स्ट्रेंथ ज्यादा न हो तो पढ़ाई-लिखाई के लिए परिणामोन्मुख माहौल तैयार हो सकता है। हालांकि आईआईटी-दिल्ली ने बारह साल बाद पाठ्यक्रम में बदलाव किया है, लेकिन बदलते समय के साथ ताल मिलाए रखने के लिए यह जरूरी कवायद है।

चीनी साजिश पर दुनिया हैरान- फंगस के ज़रिए अनाज, खाद्य पदार्थ, फसलों को बर्बाद कर अमेरिका को भूखा मारने का था प्लान

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर आज आतंकवाद की एक ऐसी ट्रेंड सी चल पड़ी है, जिसमें आज कोई देश अछूता नहीं रह गया है। एक क्रिमिनल व्यक्ति या देश केदिमाग में अपने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दुश्मनों के वजूद को ही मिटाने की आईडियाएं या सोच उभरती रहती है,जो सीधे मानव बम, केमिकल बम जैविक बम और अभी उभर के आया है कृषि जैविक बम! बनकर सब कुछ नष्ट कर देता है हमने अभी तक साइबर,जैविक इत्यादि अनेकों वेपंस क़े आतंकवाद का नाम सुने हैं, लेकिन अमेरिका में दिनांक 4 जून 2025 को देर शाम ऐसे चीनी दो व्यक्तियों को पकड़ा गया जो फंगस को तस्करी कर अमेरिका लाए थे, जो फसलों में तेजी से रोग पैदा कर संक्रमण के जरिए पूरी फसलों को पूरी तरह से बर्बाद कर देता है चाहे वह गेहूं मक्का बाजरा सहित कोई भी फसल हो इसे एक तरह से बायोवेपन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है जो दुश्मन देश को भूखा मरने पर मजबूर कर सकता है, क्योंकि इस वेपन के जरिए उस देश की पूरी फैसलें जहरीली व सूख जाती है, यानें किसी भी तरह से इंसानों के खाने लायक नहीं रहती, हमारी पीढ़ीयों कोकोविड-19 महामारी के बारे में हमेशा याद रहेगा जो तथाकथित चमदाग़ड़ से चीन से उदय हुई थी,ऐसा संदेश व्यक्त किया गया था। एक तरह से कृषि आतंकवाद का नया वर्जिन आजाद हुआ है, जिसका पहला निशाना अमेरिका हो सकता था। हालांकि इसके पूर्व इसका प्रयोग 1943 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी ने ब्रिटेन में आलू की फसलों को नष्ट करने के लिए इसे विमान से छोड़ा गया था। चूँकि चीनी साजिश पर दुनियाँ हैरान,अमेरिका को भूखा मारने का था प्लान, फंगस के जरिए अनाज खाद्य पदार्थ फसलों को बर्बाद करना था प्लान तथा आधुनिक आतंकवाद व युद्ध मानवीय जीवों की मृत्यु,फसलों भोजन स्वास्थ्य संपत्तियों भूमि पानी हवा पर्यावरण यहां तक कि सभ्यता का भी विनाश करना है,जो दुखदाई है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विश्व का पहला कृषि आतंकवाद,कोविड-19 महामारी जैसे इंसानों को नष्ट कर देती है वैसे फंगस फसलों को बर्बाद कर देता है जो रेखांकित करने वाली बात है। साथियों बात अगर हम विश्व के पहले कृषि आतंकवाद की करें तो,हमने अक्सर साइबर टेररिज्म और इको टेररिज्म जैसे शब्द सुने हैं. हालांकि, अमेरिका में 4 जून को एग्रो टेररिज्म का एक दुर्लभ मामला सामने आया। अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने एग्रो टेररिज्म यानी कृषि आतंकवाद की साजिश के आरोप में दो चीनी नागरिकों को अरेस्ट किया है, एफबीआई के मुताबिक,उन दोनों ने फ्यूजेरियम ग्रामिनेरियम नामक एक खतरनाक फंगस चीन से अमेरिका में तस्करी की थी, यह ऐसा फंगस है, जो फसलों में रोग पैदा करके इन्हें बर्बाद कर देता है. इसे एग्रीकल्चर टेररिज्म वेपन के तौर पर इस्तेमाल किया जाता।कुल मिलाकर कहा जाए तो इस खतरनाक फंगस को जैविक हथियार यानी बायो वेपन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, इन दोनों चीनी नागरिकों पर मिशिगन कमें साजिश, फंगस की तस्करी, झूठे बयान और धोखाधड़ी का आरोप है, अमेरिका में एग्रो टेररिज्म की इस घटना से लोगों के मन में उत्सुकता जग गई है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, फंगस फ्यूजेरियम ग्रामिनेरियम एक संभावित एग्रो टेररिज्म हथियार है और यह अरबों डॉलर के नुकसान का कारण बन सकता है,यह एक खतरनाक हानि कारक फंगस है,जो गेहूं, जौ,जई और मक्का जैसी अनाज फसलों को संक्रमित करता है, वास्तव में इसे उन पांच सबसे विनाशकारी फंगल रोगाणुओं में से एक माना जाता है जो कृषि पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित करते हैं,अब सवाल है कि क्या चीन इस प्लान से अमेरिका को बर्बाद करने चला था? कितना खतरनाक है यह विशेषज्ञों का कहना है कि यह फ्यूजेरियम हेड ब्लाइट (एफएचबी) या 'स्कैब' नामक बीमारी का कारण बनता है,जो अनाज कीगुणवत्ता को नुकसान पहुंचाता है,और फसल की पैदावार को कम करता है, शोध के अनुसार, फंगस गेहूं की अमीनो एसिड संरचना में बदलाव करता है, जिससे दाने सिकुड़ जाते हैं और शेष अनाज दूषित हो जाता है, इस फंगस के गेहूं को प्रभावित करने की स्थिति में स्पाइकलेट्स की बाहरी सतह पर भूरे, गहरे बैंगनी-काले नेक्रोटिक घाव बन जाते हैं जो गेहूं के कान को तोड़ते हैं।चावल में यह प्रभावित बीजों को लाल कर देता है और बीज की सतह पर या पूरे बीज पर भूरे रंग के धब्बे पैदा कर सकता है,संक्रमित अनाज हल्के, सिकुड़े और भंगुर होते हैं। साथियों बात अगर हम कृषि आतंकवाद को समझने की करें तो, सरल शब्दों में कहें तो जैविक एजेंटों का इस्तेमाल करके पूरी की पूरी फसल बर्बाद करना ही एग्रो टेररिज्म है, यह कृषि प्रणालियों में बीमारियों या कीटों या अन्य हानिकारक जैविक एजेंटों को व्यापक नुकसान पहुंचाने के इरादे से डालने का कार्य है,ऐसे कार्य का एकमात्र मकसद खाद्य श्रृंखला को टारगेट करना है मकसद है, अर्थव्यवस्था को तबाह करना और सामाजिक अशांति पैदा करना, इसमें पकड़े जाने की संभावना जीरो है और कम लागत में यह बड़ा मकसद को पूरा करती है, एग्रो टेररिज्म के दूरगामी प्रभाव होते हैं, खासकर उन देशों के लिए जिनकी अर्थव्यवस्था कृषि पर निर्भर है, इसे बहुत प्रभावी भी माना जाता है क्योंकि यह बिना ध्यान दिए जा सकता है। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रकार का आतंकवाद नया या अनोखा नहीं है, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी ने ब्रिटेन में कोलोराडो आलू बीटल के साथ आलू की फसलों को टारगेट किया.ये बीटल 1943 में इंग्लैंड में पाए गए थे, बीटल को विमान से छोड़ा गया था, मोसटागनेम विश्वविद्यालय के एक शोध पत्र में यह भी कहा गया है कि जापान ने द्वितीय विश्व युद्ध जारी रहने पर अनाज के जंग के बीजाणुओं के साथ एग्रो टेररिज्म पर विचार किया था,अब समझिए अगर अमेरिका में चीनी साजिश सफल हो जाती तो अमेरिका की पूरी फसलें बर्बाद हो जातीं।अमेरिका में दो चीनी नागरिकों द्वारा खतरनाक फंगस फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम की तस्करी मामले ने वैश्विक कृषि सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना उस संभावित भविष्य की चेतावनी है, जहां बीज, मिट्टी और फसलें भी आतंकवाद के हथियार बन सकते हैं। यह फंगस अनाज को सड़ा देता है और इंसानों व जानवरों दोनों को गंभीर रूप से बीमार कर सकता है, जिससे यह जैविक युद्ध का मौन हथियार साबित हो सकता है। इसे एग्रो टेररिज्म यानी कृषि आतंकवाद का संभावित हथियार बताया गया है। क्या है कृषि आतंकवाद फसलों को नष्ट करने के लिए जैविक एजेंट का इस्तेमाल करना पक्का कृषि आतंकवाद ही कहलाता है। साथियों बात अगर हम कृषि आतंकवाद के भारत पर प्रभाव पड़ने की करें तो,इसका मकसद अर्थव्यवस्था को बर्बाद करना और समाज में तनाव पैदा करना होता है। यह तरीका सस्ता और पकड़ में आने में भी मुश्किल है। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान लगभग 17 परसेंट है और देश की आधी से अधिक आबादी खेती से जुड़ी है। विशेष रूप से पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश जैसे सीमावर्ती राज्यों में, जो पाकिस्तान और चीन से सटे हुए हैं,कृषि आतंकवाद का खतरा अधिक गंभीर है। 2016 में बांग्लादेश से आए जहरीले फंगस मैग्नापॉर्थे ओराइज़ा पाथोटाइप ट्रिटिकम ने पश्चिम बंगाल के दो जिलों में भारी तबाही मचाई थी। सरकार ने इस खतरे को नियंत्रण में रखने के लिए तीन वर्ष तक वहां गेहूं की खेती पर प्रतिबंध लगाया। इसलिए सतर्क रहना जरूरी -भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक देश, काबू पाना मुश्किल होगा -पहले भी भारत में हेड ब्लाइट की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, विशेषकर उत्तर भारत में -सीमाओं से लगे क्षेत्रों, विश्वविद्यालयों, कृषि अनुसंधान संस्थानों पर कड़ी निगरानी जरूरी कई कदम उठाए जा चुके -भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से फफूंदरोधी गेहूं की किस्मों पर रिसर्च -कुछ राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में रोग प्रतिरोधक बीजों का ट्रायल शुरू किया गया -किसानों को बीज उपचार और फसल चक्र बदलाव जैसी सलाहें दी गईं समय रहते पाया काबू अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर भारत में गेहूं की फसलों में हेड ब्लास्ट के लक्षण कई बार देखे गए हैं।

सूडोकु नवताल- 7455

✱✱✱✱☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7454 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

हिन्दू साम्राज्य दिवसः भारत के स्वराज्य की हुंकार

लोकेन्द्र सिंह

छत्रपति शिवाजी महाराज भारत की स्वतंत्रता के महान नायक हैं, जिन्होंने 'स्वराज्य' के लिए संगठित होना, लड़ना और जीतना सिखाया। मुगलों के लंबे शासन और अत्याचारों के कारण भारत का मूल समाज आत्मदैन्य की स्थिति में चला गया था। विशाल भारत के किसी न किसी भू-भाग पर मुगलों के शोषणकारी शासन से मुक्ति के लिए संघर्ष तो चल रहा था लेकिन उन संघर्षों से बहुत उम्मीद नहीं थी। भारत के वीर सपूत अपने प्राणों की बाजी तो लगा रहे थे लेकिन समाज को जागृत और संगठित करने का काम नहीं कर पा रहे थे। जबकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने समाज के भीतर विश्वास जगाया कि हम मुगलों के शासन को जड़ से उखाड़ कर फेंक सकते हैं, यदि सब एकजुट हो जाएं। यही कारण है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के देवलोक गमन के बाद भी 'हिन्दवी स्वराज्य' का विचार पल्लवित, पुष्पित और विस्तारित होता रहा। 'हिन्दू साम्राज्य दिवस' या 'श्रीशिव राज्याभिषेक दिवस' भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटना है। इस घटना ने दुनिया को बताया कि भारत के भाग्य विधाता मुगल नहीं हैं। भारत का हिन्दू समाज ही भारत का भाग्य विधाता है। भारत में हिन्दुओं का राज्य है। उनके शासन का नाम है- 'हिन्दवी स्वराज्य।' विक्रम संवत 1731, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी को स्वराज्य के प्रणेता एवं महान हिन्दू राजा श्रीशिव छत्रपति के राज्याभिषेक और हिन्दू पद पादशाही की स्थापना से भारतीय इतिहास को नयी दिशा मिली। दासता के घोर अंधकार में स्वराज्य की एक चमकदार रोशनी था- हिन्दवी स्वराज्य। हिन्दू साम्राज्य दिवस को हम भारत के स्वराज्य की हुंकार भी कह सकते हैं, जब हिन्दुओं ने आत्मविश्वास से सीना ठोंककर मुगलों को ललकारा और कहा कि भारत में एक बार फिर स्वराज्य की स्थापना हो गई है, जिसमें सबका कल्याण है। अनेक इतिहासकार एवं विद्वान कहते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना न की होती, तो भारत का इतिहास कुछ और होता। यह अतिशयोक्तिपूर्ण विचार नहीं है। अपितु भारत के पड़ोसी देशों एवं दूर-दराज के उन देशों की स्थिति को देखकर सहज कल्पना की जा सकती हैं, जहां मूल समाज की अपेक्षा बाहरी आक्रांताओं का शासन स्थायी हो गया। ऐसे देशों में वहां के मूल समाज की संस्कृति लगभग समाप्त हो गई है। हम कल्पना ही कर सकते हैं कि जिस प्रकार के अत्याचार मुगल शासक भारत में कर रहे थे, उसके बाद हिन्दू समाज किस स्थिति को प्राप्त होता। प्रसिद्ध मराठा इतिहासकार जीएस सरदेसाई ने लिखा है कि "मुस्लिम शासन के अधीन पूर्ण अंधकार छाया हुआ था। न कोई पूछताछ होती थी, न न्याय मिलता था। अधिकारी जो चाहें, वही करते थे। स्त्रियों के सम्मान का हनन, हत्याएं, हिंदुओं का जबरन धर्म परिवर्तन, उनके मंदिरों का विध्वंस, गायों का वध ऐसे घिनौने अत्याचार उस शासन में आम बात थे। निजामशाही ने तो खुलेआम जीजाबाई के पिता, उनके भाइयों और पुत्रों की हत्या कर दी थी। फलटन के बजाजी निंबालकर को जबरन मुसलमान बनाया गया। ऐसे अनगिनत उदाहरण दिए जा सकते हैं। हिंदू सम्मानजनक जीवन नहीं जी सकते थे। यही बातें थीं, जिन्होंने शिवाजी के भीतर धर्मसम्मत क्रोध जगा दिया। विद्रोह की प्रबल भावना ने उनके मन को पूरी तरह घेर लिया। उन्होंने तुरंत कार्य आरंभ कर दिया। उन्होंने मन ही मन सोचा, जिसके हाथ में शस्त्र की शक्ति है, उसे कोई भय नहीं होता, कोई कठिनाई नहीं आती।" औरंगजेब का शासन तो हिन्दुओं के लिए किसी नर्क से कम नहीं था। मुगलों के अनीतिपूर्ण शासन के बरक्स छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित स्वराज्य में लोकहित सर्वोपरि था। उन्होंने शासन को 'स्व' के आधार पर विकसित किया, इसलिए वह सबका अपना स्वराज्य था। महाराज ने राज्य के प्रत्येक तत्व यानी जल, जंगल, जमीन और जन के लिए नीतियां बनायीं। भारत की संस्कृति का संरक्षण किया। हिन्दू धर्म और उसके पवित्र स्थलों को प्राथमिकता दी। आज भी हम हिन्दू साम्राज्य को याद करते हैं, उसका कारण है कि वह सार्वकालिक एवं सार्वभौमिक है। प्रसिद्ध इतिहासकार जदुनाथ सरकार लिखते हैं कि "शिवाजी के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे जिन्हें हम आज भी बिना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं। उनका उद्देश्य था अपने प्रजा को शांति देना, सभी जातियों और धर्मों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना, एक कल्याणकारी, सक्रिय और निष्पक्ष प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करना, व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नौसेना का विकास करना और मातृभूमि की रक्षा के लिए एक प्रशिक्षित सेना तैयार करना।" छत्रपति शिवाजी महाराज की नीतियों पर चलकर हम आज भी एक श्रेष्ठ भारत का निर्माण कर सकते हैं।

मेष राशि- आज का दिन लाभ देने वाला है। इस राशि के लोगों को आज धन लाभ होगा जिससे परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा। इस राशि वाली महिलाओं के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है। उन्हें अपने ननिहाल या मायके की तरफ से खुशखबरी मिल सकते हैं। आज आपके विचारों को ऑफिस में सीनीयर्स की तरफ से पॉजीटिव रिसपॉन्स मिलेगा। इस राशि के लोग आज भविष्य के लिए कोई खास निर्णय ले सकते हैं।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज कार्य स्थल की व्यवस्था में कुछ परिवर्तन लाने की भी जरूरत है। टूर एंड ट्रेवल्स तथा मीडिया संबंधी व्यवसाय में सुधार आएगा। आज कार्यभार अधिक होने की वजह से ओवरटाइम करना पड़ेगा। पति-पत्नी का आपसी सहयोगात्मक व्यवहार आपसी नज़दीकियां बढ़ाएगा। आज अपने मनोबल को मजबूत बनाने के लिए मेडिटेशन का सहारा लेंगे।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। व्यापार बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करेंगे। कोई भी छोटा-बड़ा फैसला लेते समय किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको मुनाफा होगा। आज पारिवारिक माहौल व्यवस्थित रखने में आपकी मदद कारगर साबित होगी, आज किसी को दिए पैसे की वापसी भी हो सकती है।

कर्क राशि- लेखकों के लिए आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज इन्हें अपने लेखन शैली से जीवन में सफलता मिलने के अवसर प्राप्त होंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने परिवार के किसी सदस्य से नये वस्त्रों की प्राप्ति हो सकती है। आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है, साथ ही जो भी काम करना चाहेंगे वो पूरे हो जाएंगे।

सिंह राशि- दिन आज व्यस्तता के साथ गुजरेगा फिर भी आपको यह सोचकर अच्छा लगेगा कि आज आपने पूरी ईमानदारी के साथ काम किया है। इसके साथ ही आप घर वापस आकर अगले दिन के लिए टारगेट सेट करेंगे साथ ही आप अगर घर में कोई परिवर्तन संबंधी निर्णय लेना चाहते है तो आपके लिए अच्छा दिन है।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएंगे। यदि किसी कारण से कुछ खोने का डर है तो आप निश्चिन्त हो जाएं, ऐसा कुछ नही होने वाला क्योंकि आज आपका दिन आपके फेवर में है। आज जीवनसाथी का आपके प्रति पूर्ण सहयोग रहेगा। लवमेट के साथ घूमने-फिरने का भी प्रोग्राम बनेगा। आपके पास बहुत-सी जिम्मेदारियां हो सकती हैं। मेहनत, धैर्य और समझदारी से काम निपटा लेंगे।

तुला राशि- आज आपका दिन रोज से अच्छा रहेगा। आप अपने कामकाजी जीवन से थोड़ा ब्रेक लेकर जीवनसाथी के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बनाएंगे। यह आपके अपने रिश्ते को संजोए रखने के लिए आवश्यक कदम होगा। पारिवारिक जीवन खुशहाल रखने के लिए कम्युनिकेशन गैप न होनें दें। सबसे बातचीत अवश्य करें।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और व्यवस्थित रहेंगे तो इससे आपके काम जल्दी निपटेंगे। आज आपको कोई नयी जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है, आज आप मार्केट से कोई मनपसंद सामान खरीदेंगे। आज लम्बी यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज दोस्तों और संबंधियों से पूरी मदद मिलेगी। खास काम के सिलसिले में बातचीत भी होगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह लेना आपके लिए बहुत ही लाभदायक रहेगा।

मकर राशि- आज दिन की शुरूआत अच्छी होगी। इससे परिवार में सामंजस्य बना रहेगा। छात्रों को आज कोई शुभ सूचना मिलने वाला है। करियर में बदलाव आयेगा। पुराने समय को भूलकर आगे बढ़ेंगे तो सफल हो जाएंगे। आपकी सोच में बदलाव आयेगा, यह बदलाव आपके लिए शुभ फल देने वाला होगा।

कुम्भ राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत सामान्य रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। आज पारिवारिक तथा व्यावसायिक गतिविधियों में संतुलन बना कर रखने से उचित व्यवस्था बनी रहेगी। स्टूडेंट को अपने अध्ययन और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे।

मीन राशि- आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज बच्चों का परिणाम देखकर मन में तसल्ली रहेगी। आज अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए ध्यान केंद्रित करेंगे। आज आपको यह ध्यान रखना होगा कि नकारात्मक विचार आपके मनोबल को कमजोर न करें। आपकी मेहनत से आय में इजाफा होगा।

भारत में गरीबों की घटती संख्या के मायने

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

किसी भी देश के लिए लोक कल्याणकारी राज्य होने का अर्थ है, उसके द्वारा इस तरह की योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाए ताकि वहां निवासरत लोगों के बीच किसी भी तरह की असामनता और अव्यवस्था है, वह दूर हो सके। आर्थकि स्तर पर रोजगार के अवसर इतने सुलभ हों कि वहां से पलायन न होकर प्रत्येक नागरिक एक खुशहाल जीवन जी सके। भारत के संदर्भ में यदि इस बात को देखें तो एक तरफ देश पर लगातार जनसंख्यात्मक दबाव बढ़ा है तो दूसरी तरफ यहां की केंद्र व राज्य सरकारों ने इस तरह का प्रबंधन बैठाया कि जिस जनसंख्या का बढ़ना राज्य के लिए संकट हो सकता था, वह जनसंख्या इस देश की ताकत बनकर उभरी है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करनेवालों की संख्या में जो कमी आई है, वह आज भारत की समृद्धि की गाथा कह रही है। इस संदर्भ में कहना होगा कि भारत में अत्यधिक गरीबी की दर में काफी ज्यादा कमी आ गई है। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 344.47 मिलियन से घटकर 75.24 मिलियन हो गई है। यह संकेत है भारत के सतत शक्तिशाली देश के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का। निश्चित ही विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किए जा रहे तेज आर्थिक सुधारों, चलाई जा रही सरकारी पहलों का यह परिणाम है जो यह बड़ा परिवर्तन हर व्यक्ति के जीवन स्तर में देखने को मिला है। आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना, डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल समावेश और मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे समेत केंद्र व राज्य की आवासीय एवं अन्य योजनाओं ने आज आम आदमी की हर उस जरूरत को पूरा किया है, जिससे कि वह संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन के अधिकार को सहजता से पूरा कर सके। वस्तुतः हमारे लिए यह बहुत खुशी की बात है कि देश में अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। इस तरह देश ने करीब 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया है। विश्व बैंक के आंकड़े कह रहे हैं कि 2011-12 में 27.1 प्रतिशत की अत्यधिक गरीबी दर 2022-23 में घटकर मात्र 5.3 प्रतिशत रह गई है। विश्व बैंक की सामने आई रिपोर्ट यह भी कहती है कि भारत में तेजी के साथ रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यापक तौर पर सुधार हुआ है। सरकारी योजनाओं का अधिकतर लोगों तक पहुंचने से भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत पर आ पहुंचा है। यदि यही प्रगति का प्रयास जारी रहा तो वह दिन बहुत दूर नहीं जब भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करनेवाला कोई एक व्यक्ति शेष नहीं होगा। इस रिपोर्ट के आंकड़ों का गहराई से अध्ययन करें तो सामने आता है कि भारत में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र का अंतर विशेषकर आर्थकि स्तर पर बहुत कम होता जा रहा है। यही वह वजह भी है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वालों की संख्या में तेजी से कमी आई है। ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी दर आज 18.4 फीसदी से घटकर 2.8 प्रतिशत रह गई है। इसी तरह से

शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी दर जो 10.7 फीसदी के करीब थी,वह घटकर सिर्फ 1.1 पर आ गई है। इसी तरह का एक व्यापक अंतर ग्रामीण-शहरी जीवन के आर्थकि व्यवहार में दूर हुआ है, यह अंतर 7.7 फीसदी से घटकर सिर्फ 1.7 प्रतिशत पर आ पहुंचा है। विश्व बैंक के अनुसार, 2021-22 के बाद से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। खासकर महिलाओं के बीच रोजगार दरों में वृद्धि हुई है। कृषि में ग्रामीण महिला रोजगार में वृद्धि हुई है। शहरी बेरोजगारी वित्त वर्ष 24-25 की पहली तिमाही में 6.6 प्रतिशत तक गिर गई, जो 2017-18 के बाद सबसे कम है। यहां जो सबसे सुकून की बात है, वह यह है कि हर राज्य अपने स्तर पर और केंद्र के सहयोग से गरीबी दूर करने के लिए बराबर से प्रयास करता हुआ नजर आ रहा है। जिसमें कि सबसे अच्छा कार्य भाजपा शासित राज्यों में हुआ है। जिसमें कि मध्य प्रदेश में पहले शिवराज सिंह चौहान और अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा इस दिशा में किए जा रहे सार्थक प्रयासों का जिक्र किया जाना आवश्यक है। इसी तरह से उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक जनसंख्या है, वहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने शासनकाल में जो प्रयोग किए हैं, उसने आज एक बड़ी आबादी के बीच की आर्थकि असमानता को बहुत हद तक दूर कर दिया है। यही कारण है कि यहां भी सबसे अधिक गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वालों की संख्या में व्यापक कमी आई है। महाराष्ट्र और बिहार में भी भाजपा की गठबंधन सरकारें हैं, यहां भी बहुत अच्छा कार्य पिछले कुछ वर्षों में हुआ है। इस तरह इन चार राज्यों का दो-तिहाई योगदान 50 प्रतिशत से अधिक अत्यंत गरीब लोगों को सामान्य जीवन जीनेवालों की श्रेणी में लाने के स्तर पर देखा जा सकता है। यहां यह भी जिक्र करना आवश्यक लगता है कि विश्व बैंक ने अपनी यह रिपोर्ट 100 से अधिक विकासशील देशों में गरीबी, साझा समृद्धि और असमानता के रुझानों के बारे में दुनिया को बताने के लिए प्रस्तुत की है, ताकि विश्व में सभी समान रूप से यह जान सके कि कहां कैसी असमानता आर्थकि स्तर पर मौजूद है, जिसके कारण से अनेक देशों में मनुष्यता संकट में है। वास्तव में जिसे दूर किया जाना मानवीयता के लिए अति आवश्यक है। वस्तुतः इन दिनों दुनिया के तमाम देशों के बीच भारत जिस तरह से चहुंओर प्रगति करता दिखता है, इसे लेकर आज यही कहना होगा कि वह दिन दूर नहीं जब न सिर्फ आर्थिक शक्ति के स्तर पर भारत दुनिया के प्रमुख तीन देशों में होगा बल्कि अर्थकि वितरण के हिसाब से भी परस्पर सहभागिता के स्तर पर भी भारत के अधिकांश परिवारों में खुशहाली मौजूद होगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

तो संन्यास से वापसी के लिए विराट पर रहेगा दबाव : क्लार्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि अगर भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे में सभी मैच हारती है तो अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली टेस्ट प्रारुप में बार फिर वापसी कर सकते हैं। विराट ने हाल ही में टेस्ट प्रारुप को अलविदा कह दिया था। उन्होंने अपने करियर में 123 टेस्ट खेलकर 30 शतक सहित 9230 रन बनाए हैं। क्लार्क ने 'कहा कि अगर भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे में 5-0 से हार जाती है तो उनपर प्रशंसक संन्यास से वापसी का दबाव बनाकर फिर से खेलने को कहेंगे। साथ ही कहा कि अगर कप्तान, चयनकर्ता और प्रशंसक ऐसा चाहेंगे तो उन्हें वापसी करनी पड़ सकती है। इसका कारण है कि विराट को अभी भी टेस्ट क्रिकेट से प्यार है। उसके शब्दों में टेस्ट क्रिकेट के लिये उसका जुनून नजर आता है। आरसीबी के पहला आईपीएल खिताब जीतने के बाद कोहली ने कहा था कि टेस्ट क्रिकेट को वह सबसे ऊपर मानते हैं। इसलिए आईपीएल की जीत को वह टेस्ट क्रिकेट से 5 पायदान नीचे मानते हैं। क्लार्क ने कहा कि रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के कारण अब टीम को उसके जैसे बेहतरीन कप्तान की कमी महसूस होगी। कोहली ने सबसय से पहले टेस्ट से संन्यास लिया। जिससे सभी को निराशा हुई है। साथ ही कहा कि वह चैम्पियन है इसलिए टेस्ट क्रिकेट को उसकी कमी का अनुभव होगा। क्लार्क ने आरसीबी की जीत के जश्न में बेंगलुरू में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। साथ ही कहा कि उम्मीद करते हैं कि ऐसा फिर कभी नहीं हो। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को प्रशंसकों के साथ जश्न मनाना चाहिए और इसमें कुछ गलत नहीं है। स्टेडियम पूरा भरा भी हो तो भी खिलाड़ियों को उसके भीतर ले जाकर एक चक्कर लगाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि इस घटना के बाद भी खिलाड़ियों और प्रशंसकों का साथ में जश्न मनाना बंद नहीं होगा।

आईपीएल से करोड़ों कमाने वाले अनकैप्ड खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा कर रहे : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल में खेलने वाले अनकैप्ड खिलाड़ियों पर निशाना साधा है। गावसकर के अनुसार इन युवाओं ने इस लीग से कुछ ही समय के अंदर करोड़ों रुपये कमा लिए हैं। ऐसे में इनका पूरा ध्यान लीग पर है और ये घरेलू क्रिकेट के शीर्ष टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी की भी उपेक्षा करने लगे हैं। गावस्कर ने कहा कि इन खिलाड़ियों की किस्मत अच्छी है जिससे इन्हें करोड़ों की कमाई हुई है हालांकि ये उसके योग्य नहीं हैं। गावस्कर ने अपने लेख में आईपीएल 2025 में करोड़ों रुपये कमाने वाले अनकैप्ड खिलाड़ियों जैसे रसिक डार, नमन धीर, नेहाल वढेरा, अब्दुल समद, अंशुल कंबोज, प्रियांश आर्य और आशुतोष शर्मा का जिक्र करते हुए कहा कि इनमें से अधिकतर ने भारतीय टीम की ओर से विशेष प्रदर्शन का कोई प्रयास नहीं किया है। उन्होंने कहा कि बाजार के दबाव के चलते बोली लगती है कहना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि कि बीसीसीआई और राज्य क्रिकेट संघों को रणजी ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अधिक प्रोत्साहन देना चाहिए। गावस्कर ने रणजी खिलाड़ियों की मैच फीस बढ़ाए जाने को सही दिशा में एक कदम बताया पर साथ ही ये भी कहा है कि यदि कोई स्लैब सिस्टम लाया जाए जिसमें ज्यादा मैच खेलने वाले को ज्यादा पैसे मिलें, तो इससे रणजी ट्रॉफी में भागीदारी बढ़ेगी और गंभीरता भी आएगी। गावस्कर ने गुजरात के पूर्व कप्तान प्रियांक पांचाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने लगभग दो दशक तक अपनी टीम से खेला, रणजी ट्रॉफी जीतने वाली टीम के सदस्य भी रहे पर उन्हें भारतीय टीम से खेलने का अवसर नहीं मिल पाना निराशाजनक रहा। उन्होंने पांचाल के समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा है कि ऐसे खिलाड़ियों को भी बराबरी का सम्मान और अवसर मिलना चाहिए। इससे एक बार फिर आईपीएल और घरेूल क्रिकेट में से किसे अधिक महत्व दिया जाये उसपर चर्चाएं शुरु हो गयी हैं।

इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम के पास डब्लूटीसी फाइनल जीतने का अवसर : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा है कि इस बार उनकी टीम के पास विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) फाइनल जीतने का अच्छा अवसर है। डब्लूटीसी फाइनल 11 जून से लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। इसके लिए दोनो ही टीमें अभी तैयारियों में लगी हैं।ऑस्ट्रेलियाई टीम गत चैंपियन है इसी कारण वह अपने खिताब को बरकरर रखना चाहेगी। वहीं दक्षिण अफ्रीकी टीम पहली बार फाननल में पहुंचकर उत्साहित है। डिविलियर्स ने कहा कि यह दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट के लिए एक बहुत खास पल है। पूरा देश हमारी टीम के साथ खड़ा होगा। उम्मीद है कि हम जीतने में सफल रहेंगे। डिविलियर्स ने कहा कि इस मैच के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम संतुलित है और ऑस्ट्रेलिया को हराने की पूरी क्षमता उसके अंदर है। उन्होंने कहा कि मैं इस चुनौती के लिए तैयार हूं। यह एक संतुलित टीम है और मुझे पूरा भरोसा है कि हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उलटफेर करने में सक्षम हैं। साथ ही कहा कि मैं ये इसलिए कह रहा हूं क्योंकि वे स्पष्ट रूप से इस आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल को जीतने के प्रबल दावेदार है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के पूर्व कप्तान आरोन फिंच का मानना है कि आक्रामक बल्लेबाज ट्रेविस हेड से उन्हें फाइनल में एक और बेहतरीन पारी की उम्मीद है। हेड ने पिछले बार फाइनल में भी काफी अच्छी पारी खेली थी। फिंच ने कहा कि हेड ने अब के अपने प्रदर्शन से साबित किया है कि वह कम समय में मैच को विरोधी टीम से छीन सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के अधिकतर खिलाड़ी पहले से ही इंग्लैंड में है और टीम को इसका भी लाभ होगा।

बुमराह को कठिन स्थलों पर उतारें : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि इंग्लैंड दौरे में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को बर्मिंघम और द ओवल सहित उन टेस्ट स्थलों में उतारना चाहिये जो कठिन हो। उन्होंने कहा कि बुमराह पर अधिक बोझ नहीं डालना है । साथ ही कहा कि उनका उपयोग वहां ज्यादा लाभप्रद रहेगा जहां हालात कठिन हों। भारतीय टीम 20 जून से हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट खेलेगी। भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भी हाल ही में घोषणा की थी कि बुमराह की फिटनेस को देखते हुए उनको लगातार नहीं उतारा जाएगा और वह तीन टेस्ट ही खेलेंगे। साथ ही कहा कि उनकी पीठ में स्ट्रेस रिएक्शन के कारण उन्हें आराम देना बेहद जरुरी है। इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट के दौरान उनकी पीठ में दर्द उभर गया था। बुमराह इसी कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर थे। हाल ही में उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस की ओर से सफल वापसी की थी। वहीं भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का कहना है कि बुमराह को हालातों के अनुसार उतारा जाएगा हालांकि ये अभी तय नहीं हुआ है कि वह किन-किन मैचों में खेलेंगे। ,आकाश ने सलाह दी कि बुमराह का इस्तेमाल मुश्किल हालातों में ही करना ठीक रहेगा। विशेष तौर पर देखा जाये तो बर्मिंघम और द ओवल का मैदान कठिन है और ऐसे में बुमराह का वहां खेलना ठीक रहेगा। चोपड़ा ने कहा कि कठिन हालात में आप अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चाहते हैं। इसलिए उन मैचों में बुमराह को शामिल करना अच्छा होगा। जैसे आप को लक्ष्य का पीछा करते हुए बल्लेबाजी में विराट कोहली की जरुर पड़ती है वैसे ही बुमराह को मुश्किल हालातों में। बर्मिंघम और द ओवल की सपाट पिचों पर सफलता मिल सकती है, इस दौरान । यह फैसला बुमराह की फिटनेस पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा। भारतीय टीम इस सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाजों के बिना ही उतरेगी क्योंकि इन दोनो ने ही हाल में टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया था। टीम की कप्तानी युवा शुभमन गिल के पास रहेगी।

क्रिकेटर रिंकू और सांसद प्रिया की सगाई हुई , शादी 18 नवंबर को होगी

लखनऊ। क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज की आज लखनऊ के लग्जरी होटल द सेंट्रम में हुए एक भव्य समारोह में सगाई हुई। इस सगाई समारोह में राजनीतिक और खेल जगत की कई दिग्गज हस्तियां भी शामिल हुईं। रिंकू जहां आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के अलावा भारतीय टी20 टीम के एक स्टार क्रिकेटर हैं, वहीं प्रिया सबसे युवा सांसदों में से एक हैं और उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले की मछलीशहर सीट से सांसद हैं। सगाई समारोह के कार्यक्रम की थीम सफेद और गुलाबी रखी गई थी। पूरा होटल इन दो रंगों के फूलों से सजाया गया था, जबकि रिंकू ने सफेद रंग का पारंपरिक कुर्ता-पायजामा और प्रिया ने खूबसूरत गुलाबी लहंगा पहना हुआ था। दोनों जैसे ही मंच पर पहुंचे, सबकी निगाहें उन पर टिक गईं। रिंकू और प्रिया ने एक-दूसरे को अंगूठी पहनाई, और इसी भावुक क्षण में प्रिया की आंखें भर आईं। दोनों ने एक-दूसरे के लिए खास अंगूठियां मंगवाई थीं। रिंकू ने प्रिया के लिए मुंबई से अंगूठी खरीदी, जबकि प्रिया ने कोलकाता से डिजाइनर रिंग मंगाई। इन दोनों अंगूठियों की कीमत करीब ढाई लाख रुपये बताई जा रही है। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, उनकी पत्नी डिंपल यादव, सांसद जया बच्चन, शिवपाल सिंह यादव, बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला समेत कई प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं।

व्यापार

टॉप 10 में से 9 कंपनियों के मार्केट कैप में एक लाख करोड़ से अधिक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 9 कंपनियों के मार्केट कैप में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल सिर्फ एक कंपनी के मार्केट कैप में इस सप्ताह 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), इंफोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 1,00,850.96 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मार्केट कैप में 28,518.53 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। 2 जून मई से 6 जून के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 30,786.38 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,53,480.09 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 26,668.23 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 15,15,853.85 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 12,322.96 करोड़ रुपये बढ़कर 5,82,469.45 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 9,790.87 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 10,41,053.07 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 9,280.89 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 5,61,282.11 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 7,127.63 करोड़ रुपये बढ़ कर 10,65,894.55 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 3,953.12 करोड़ रुपये बढ़ कर 6,07,073.28 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 519.27 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 6,49,739.73 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 401.61 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,25,437.74 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 28,510.53 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,24,975.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,53,480.09 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 15,15,853.85 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 12,24,975.89 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,65,894.55 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,41,053.07 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,25,437.74 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,49,739.73 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (कुल मार्केट कैप 6,07,073.28 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,82,469.45 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,61,282.11 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

सर्राफा बाजार में लुढ़का सोना, चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख बना हुआ है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 97,970 रुपये से लेकर 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,800 रुपये से लेकर 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,07,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो चुका है। सोने के विपरीत चांदी की कीमत में सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान 8 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

वैश्विक रुझान, मुद्रास्फीति के आंकड़े से तय होगी बाजार चाल

मुंबई। बीते सप्ताह एक फीसदी की तेजी पर बंद हुए शेयर बाजार की चाल इस सप्ताह वैश्विक रुझानों, मुद्रास्फीति के आंकड़ों और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों को यह उम्मीद है। इसके अलावा मानसून की प्रगति और व्यापार वार्ता से संबंधित घटनाक्रमों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि कारोबारियों की नजर प्रमुख वृहद आर्थिक आंकड़ों पर होगी। मांग के रुझान और केंद्रीय बैंक के अगले कदमों का अनुमान लगाने के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति जैसे उच्च आवृत्ति संकेतकों पर बारीकी से नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि मानसून की प्रगति और बुवाई के रुझानों से भी बाजार प्रभावित होगा, क्योंकि इनका असर ग्रामीण खपत पर होता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर व्यापार वार्ता और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उतार-चढ़ाव से निवेशकों की भावना प्रभावित होगी। बाजार के एक अन्य जानकार कहते हैं कि हमें उम्मीद है कि भारतीय बाजारों में धीरे-धीरे तेजी आएगी, जिसे आरबीआई द्वारा उम्मीद से अधिक ब्याज दरों में कटौती और अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर आशावाद से समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस बीच अमेरिकी शुल्क में अप्रत्याशित बदलाव और मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव सहित वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण अस्थिरता पैदा हो सकती है। मुद्रास्फीति में कमी और आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में की गई आक्रामक कटौती से वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का भरोसा बढ़ने की संभावना है।

जून में बिकवाल की भूमिका में एफपीआई, पहले सप्ताह 8,749 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली। लगातार दो महीने तक खरीदारी का जोर दिखाने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जून के महीने में बिकवाल की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। जून के पहले सप्ताह में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में 8,749 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। इसके पहले एफपीआई ने मई के महीने में स्टॉक मार्केट में 19,860 करोड़ रुपये की लिवाली की थी, जबकि अप्रैल के महीने में एफपीआई की लिवाली का आंकड़ा 4,223 करोड़ रुपये का था। अगर साल 2025 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के ओवरऑल कारोबार पर नजर डालें तो मार्च के महीने में एफपीआई ने 3,973 करोड़ रुपये की निकासी की थी, जबकि फरवरी में शुद्ध बिकवाली का आंकड़ा 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में सबसे अधिक 78,027 करोड़ रुपये का था। इस तरह जनवरी, फरवरी और मार्च में की गई बिकवाली और अप्रैल तथा मई में की गई खरीदारी को मिलाते हुए इस साल अभी तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों कि कुल निकासी का आंकड़ा 1.01 लाख करोड़ रुपये हो गया है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि अमेरिका और चीन के बीच एक बार फिर कारोबारी तनाव बढ़ता हुआ नजर आने लगा है। इसके साथ ही अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी आने के कारण भी बिकवाली का दबाव बढ़ गया है। दूसरी ओर, मंदी की आशंका को देखते हुए विदेशी निवेशक गोल्ड जैसे सेफ इन्वेस्टमेंट की ओर रुख कर रहे हैं। बाजार में जहां इन वजहों से दबाव की स्थिति बनी है, वही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती किए जाने से घरेलू निवेशकों के मन में उत्साह नजर आने लगा है। धामी का कहना है कि अमेरिका और चीन के संबंधों में सुधार की संभावना कम होती जा रही है। इस वजह से वैश्विक बाजार पर दबाव बढ़ गया है। अगर इन दोनों देशों के बीच के संबंधों में सुधार नहीं हुआ तो इसका प्रत्यक्ष फायदा भारत को मिल सकता है। हालांकि भारतीय बाजार में हाई वैल्यूएशन को लेकर चिंता लगातार बनी हुई है। अगर इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो ये भारतीय शेयर बाजार की बढ़त के लिए बाधक बन सकता है।

महंगाई, अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते तय होगा बाजार का रुझान

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। महंगाई, अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते बाजार का रुझान तय होगा। 12 जून को सरकार की ओर से महंगाई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। महंगाई का पूरी अर्थव्यवस्था पर असर होता है। इस कारण शेयर बाजार के लिए भी महंगाई के डेटा को काफी अहम माना जाता है। अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 3.16 प्रतिशत थी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर अमेरिकी टैरिफ पर किसी भी अपडेट का बाजार पर काफी असर हो सकता है। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन शानदार रहा है और लगातार दो हफ्तों की गिरावट के बाद बाजार तेजी के साथ बंद हुए। निफ्टी 252 अंक या 1.02 प्रतिशत बढ़कर 25,003.05 और सेंसेक्स 737.98 अंक या 0.91 प्रतिशत बढ़कर 82,188.99 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का नेतृत्व निफ्टी बैंक ने किया। इस दौरान मुख्य बैंकिंग इंडेक्स 1.5 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 56,578.40 पर बंद हुआ। इस दौरान इंडेक्स ने 56,695 का नया ऑल-टाइम हाई बनाया। 2-6 जून के कारोबारी सत्र में निफ्टी रियल्टी में 9.5 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया।

मीडिया और आईटी सेक्टर लाल निशान में बंद हुए। बीते हफ्ते विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) शुद्ध विक्रेता रहे और इस दौरान उन्होंने 3,565 करोड़ रुपए की इक्विटी मार्केट में बिकवाली की। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने कैश सेगमेंट में 25,513 करोड़ रुपए का निवेश किया। मास्टर ट्रस्ट ग्रुप के डायरेक्टर पुनीत सिंघानिया ने कहा कि निफ्टी लगातार दो हफ्ते कमजोरी दिखाने के बाद 25,000 के ऊपर बंद हुआ है। इंडेक्स 21 दिनों और 55 दिनों के मूविंग एवरेज से ऊपर टिकने में कामयाब रही है।

दो वर्षों से डिप्रेशन और एंग्जाइटी से जूझ रही थीं पायल घोष

मुंबई । हाल ही में अभिनेत्री पायल घोष ने अपनी ज़िंदगी के सबसे कठिन दौर के बारे में बात की। पायल घोष ने बताया कि वह बीते दो वर्षों से डिप्रेशन और एंग्जाइटी से जूझ रही थीं। काम न मिलने की वजह से वह न सिर्फ आर्थिक संकट में थीं, बल्कि मानसिक रूप से भी टूट चुकी थीं। पायल का यह खुलासा दिल को छू जाने वाला है, जहां उन्होंने स्वीकार किया कि न तो उन्हें फिल्म इंडस्ट्री से कोई समर्थन मिला और न ही परिवार या दोस्तों से कोई भावनात्मक सहारा। पायल के मुताबिक, इस दौरान उन्होंने कई बार खुद को घर में बंद करके अकेले रोया और दुनिया से कट गईं। पायल ने कहा कि हर कलाकार के जीवन में ऐसा समय आता है जब सारी कोशिशें नाकाम लगती हैं और कुछ भी पक्ष में नहीं होता। उनके लिए भी पिछले दो साल कुछ ऐसे ही रहे। वह एकाकी जीवन जी रही थीं, जहां उन्हें ना कोई फोन करता था और न ही किसी ने हालचाल पूछा। मानसिक रूप से टूटती जा रही पायल ने बताया कि इस स्थिति से निकलने के लिए उन्हें प्रोफेशनल मदद और दवाओं का सहारा लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि अकेलापन बेहद खतरनाक होता है और यह धीरे-धीरे इंसान को अंदर से खोखला कर देता है। दो साल तक बिना काम के रहना और धीरे-धीरे बचत खत्म होना, ये सब उनके लिए एक डरावने सपने जैसा था। उन्होंने बताया कि किसी ने भी उन्हें काम दिलाने या मनोबल बढ़ाने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जब कोई साथ नहीं देता तो इंसान खुद को बुरी तरह से अकेला महसूस करता है। उन्होंने यह भी कहा कि इंडस्ट्री में काम करने वाले कई कलाकारों को ऐसे दौर से गुजरना पड़ता है, मगर वे खुलकर अपनी बात नहीं कह पाते। हालांकि अब उनके अनुसार चीजें धीरे-धीरे सुधर रही हैं। उन्हें काम के नए अवसर मिलने लगे हैं और उन्होंने उम्मीद जताई है कि जल्द ही उनके नए प्रोजेक्ट्स दर्शकों के सामने आएंगे।

जैकी श्रॉफ जमीन से जुड़े स्टार: सुभाष घई

मुंबई। इंस्टाग्राम पर अभिनेता जैकी श्रॉफ की एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर को शेयर करते हुए फिल्म निर्माता सुभाष घई ने बताया कि अभिनेता जमीन से जुड़े स्टार हैं और उन्होंने कभी स्टार का मुखौटा नहीं पहना। एक पुरानी तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, "42 साल से जनता और फिल्म जगत में भिडू (जैकी) इतने लोकप्रिय व्यक्ति क्यों हैं?"

सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने लिखा, "न तो जनता के सामने, और न ही अपने निर्देशकों के सामने, भिडू ने कभी भी स्टार होने का मुखौटा नहीं पहना। वह बेहतरीन इंसान हैं और दूसरों के लिए दया रखते हैं। वे विचारों में सरल और जीवन के प्रति सकारात्मक हैं। वह न केवल भावुक और विनम्र हैं, बल्कि अपनी जड़ों को पहचानते हैं।"सुभाष घई ने फोटोग्राफर प्रवीण को धन्यवाद देते हुए लिखा, "ऊपर दिखाई गई तस्वीर प्रवीण चंद्रा द्वारा ली गई फोटो गैलरी है, जिन्होंने मुझे पिछले सप्ताह यह भेजी थी। धन्यवाद प्रवीण।"इससे पहले सुभाष घई ने अभिनेता और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अपनी तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी दोस्ती 60 साल पुरानी है। दोनों की दोस्ती की शुरुआत फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) के दिनों से हुई थी। दोनों ने 1976 में रिलीज हुई फिल्म कालीचरण में साथ में काम किया था। सुभाष ने उस पल को याद किया, जब उन्होंने शत्रुघ्न के साथ डिनर किया। वहां अभिनेता के बेटे लव ने उनकी तस्वीर क्लिक की। फिल्म निर्माता ने इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। बता दें, कालीचरण एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे सुभाष घई ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा, रीना रॉय, प्रेमनाथ, अजित, मदन पुरी और डैनी डेन्जोंगपा जैसे कलाकारों ने काम किया है। बतौर निर्देशक यह सुभाष घई की पहली फिल्म थी। बाद में तेलुगू में खैदी कालीदासु, कन्नड़ में कलिंगा, तमिल में संगिल और मलयालम में पथमुदयम के नाम से इसका रीमेक किया गया। मालूम हो कि फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई की गिनती उन हस्तियों में की जाती है, जो सोशल मीडिया को अपने शानदार पोस्ट से गुलजार रखते हैं।

'हाउसफुल-5' की कमाई में इजाफा, 2 दिन में 50 करोड़ का आंकड़ा किया पार

'सैकनिल्क के मुताबिक 'हाउसफुल-5' ने 24 करोड़ की ओपनिंग की थी, जिसके साथ ही इसने इसी साल रिलीज हुई अक्षय की सबसे ज्यादा ओपनिंग लेने वाली फिल्म 'स्काई फोर्स' को भी पछाड़ दिया था। दूसरे दिन इसकी कमाई में 25 प्रतिशत का इजाफा हुआ और इसने 30 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह 'हाउसफुल 5' ने 2 दिन में 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर 54 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल

'हाउसफुल-5' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है और महज तीन दिनों में एक करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरती दिख रही है और महज तीन दिनों में अपने बजट का बड़ा हिस्सा वसूल कर मेकर्स की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल-5' में कई स्टार कलाकार हैं। अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, नरगिस फाखरी, जैकलीन फर्नांडीज, नाना पाटेकर, फरदीन खान, जॉनी लीवर, चंकी पांडे मुख्य भूमिका में हैं। 'सैकनिल्क के मुताबिक 'हाउसफुल-5' ने 24 करोड़ की ओपनिंग की थी, जिसके साथ ही इसने इसी साल रिलीज हुई अक्षय की सबसे ज्यादा ओपनिंग लेने वाली फिल्म 'स्काई फोर्स' को भी पछाड़ दिया था। दूसरे दिन इसकी कमाई में 25 प्रतिशत का इजाफा हुआ और इसने 30 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह 'हाउसफुल 5' ने 2 दिन में 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर 54 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। 'हाउसफुल-5' के दो अलग-अलग अंत हैं। इसका मतलब है कि दर्शकों को सिनेमा हॉल में जाकर फिल्म दो बार देखनी होगी ताकि वे दोनों क्लाइमेक्स देख सकें। निर्देशक तरुण मनसुखानी ने कहा, साजिद नाडियाडवाला के मन में यह विचार 30 साल से था। आखिरकार, उन्होंने इसे 'हाउसफुलृ-5' में पेश किया। एक निर्देशक के तौर पर मेरे लिए दो क्लाइमेक्स वाली फिल्म बनाना सबसे दिलचस्प बात थी। उस समय, यह सब बहुत रोमांचक लगता है और एक फिल्म निर्माता के तौर पर, आपको इसे बेहतर बनाने की चुनौती महसूस होती है, लेकिन जब आप वास्तव में सेट पर जाते हैं और काम करना शुरू करते हैं, तो आपको असली चुनौतियों का एहसास होता है।

'मैं फिल्में कम करता हूं लेकिन वो करता हूं जो लोगों के दिल को छू जाए' : आमिर खान

हिंदी सिनेमा के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान एक बार फिर एक खास फिल्म के साथ दर्शकों के सामने लौट रहे हैं। साल 2007 में आई अपनी क्लासिक फिल्म 'तारे जमीन पर' के सीक्वल 'सितारे जमीन पर' को लेकर आमिर एक बार फिर चर्चा में हैं। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस खास मौके पर आमिर खान ने 'हिन्दुस्थान समाचार' को एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने न केवल इस फिल्म के सफर के बारे में विस्तार से बात की, बल्कि अपने करियर और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर भी कई बेबाक बातें शेयर कीं। आमिर का कहना है कि 'सितारे ज़मीन पर' उनके दिल के बेहद करीब है और यह फिल्म भी दर्शकों के दिलों को छूने वाली कहानी लेकर आएगी, ठीक वैसे ही जैसे पहली फिल्म ने किया था।

साक्षात्कार

फिल्म में न्यूरो डाइवरजेंट बच्चों के साथ काम करना यकीनन एक अनोखा अनुभव रहा होगा। यह अनुभव आपके लिए कैसा रहा?

मैं पूरे दावे के साथ कह सकता हूं कि जितना वक्त हमें आमतौर पर न्यूरोटिपिकल व्यक्तियों के साथ काम करने में लगता है, उतना ही, या कई बार उससे भी कम वक्त हमें न्यूरोडाइवर्जेंट बच्चों के साथ काम करने में लगा। ये मैं कोई भावुक बात नहीं, बल्कि तथ्य के तौर पर कह रहा हूं। शूटिंग के दौरान अक्सर किसी न किसी वजह से रीटेक्स होते थे, कभी मेरी वजह से, कभी जेनेलिया की वजह से, और कभी बच्चों की वजह से। लेकिन सच कहूं तो, इन बच्चों की वजह से शूटिंग में कभी कोई बड़ा डिले नहीं हुआ। मैंने उनके साथ समय बिताया, उन्हें समझा और महसूस किया कि उनमें और मेरे जज़्बातों में कोई फर्क नहीं है। इस अनुभव ने मुझे उनके प्रति और भी ज्यादा संवेदनशील बना दिया। यह मेरे लिए एक गहरी सीख थी, जो शायद किसी किताब में नहीं मिलती।

आपकी फिल्मों में अक्सर किसी न किसी खेल की अहम भूमिका रही है। 'लगान' का क्रिकेट, 'दंगल' की कुश्ती, 'जो जीता वही सिकंदर' की साइकिल रेस। क्या ये कह सकते हैं कि आपकी फिल्मों में स्पोर्ट्स आपके लिए लकी रहा है?"

हां, आपने बिल्कुल ठीक पकड़ा। मेरी फिल्मों में अक्सर कोई न कोई स्पोर्ट्स एंगल जरूर रहा है और वो मेरे लिए काफी लकी भी साबित हुआ है। मैंने 'गुलाम' में बॉक्सिंग की थी, जबकि 'अव्वल नंबर' में मैं क्रिकेटर बना था। हालांकि, 'अव्वल नंबर' मेरे लिए थोड़ी अनलकी साबित हुई (हंसते हुए), क्योंकि वो फिल्म चली नहीं थी। कुल मिलाकर, स्पोर्ट्स का मेरी कहानियों से खास रिश्ता रहा है, और मुझे लगता है कि ये जुड़ाव हमेशा कुछ ना कुछ इमोशनल कनेक्ट लेकर आता है।

आपकी 45 फिल्मों में से अधिकतर यादगार बन चुकी हैं। लेकिन क्या कभी मन में ये ख्याल आता है कि आप और ज़्यादा फिल्में कर सकते थे?

देखिए, सौ सोनार की, एक लोहार की, अब यही है मेरा साफ़ जवाब। मुझे इस बात से कोई परेशानी नहीं है कि मैं कम फिल्में करता हूं। मेरे लिए हमेशा संख्या नहीं, बल्कि गुणवत्ता मायने रखती है। मैं चाहता हूं कि जब भी कोई काम करूं, वो ऐसा हो जो लोगों के दिल तक पहुंचे। इसलिए मैं हमेशा क्वालिटी पर फोकस करता हूं, ना कि इस बात पर कि कितनी फिल्में की।

फिल्म की रिलीज से पहले कोई ऐसा धार्मिक या निजी रिवाज है जिसे आप निभाना कभी नहीं भूलते?

हां, मैं ईश्वर में गहरी आस्था रखता हूं और उनकी शक्ति में पूरा विश्वास है। लेकिन मैं अपनी धार्मिक आस्था को सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करना पसंद नहीं करता। मेरे लिए धर्म एक निजी अनुभव है, जिसे मैं अपनी तरह से, निजी रूप से निभाता हूं। हर इंसान का अपने विश्वास को जीने का तरीका अलग होता है, कुछ लोग इसे खुलकर जाहिर करते हैं, तो कुछ मेरी तरह इसे निजी रखना पसंद करते हैं।

ऐसा क्यों होता है कि हमारे यहां इतना बड़ा दर्शक वर्ग होने के बावजूद बच्चों के लिए अच्छी फिल्में उतनी नहीं बनाई जाती?

मैं आपकी बात से पूरी तरह सहमत हूं, क्योंकि वाकई हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बच्चों पर बहुत कम फिल्में बनती हैं, और ये वाकई दुखद है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री को ये गलतफहमी है कि हमारे यहां बच्चों की फिल्मों का कोई मार्केट नहीं है। लेकिन मैं ऐसा नहीं मानता। अगर भारत के बच्चे डिज़्नी और बाहर के कंटेंट को देख सकते हैं, तो यकीनन यहां भी मार्केट है, बस जरूरत है सही कंटेंट बनाने की। मेरे हिसाब से किसी भी क्रिएटिव इंसान का सबसे महान काम यही हो सकता है कि वो बच्चों के लिए फिल्म बनाए। एक भारतीय नागरिक होने के नाते हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम अपने बच्चों को भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जुड़ा कंटेंट दिखाएं। क्योंकि अब तक जो कंटेंट हम बच्चों को दिखा रहे हैं वो बाहर का है जिसे यहां डब करके दिखाया जा रहा है। हमें बच्चों की दुनिया को समझना और उसे सिनेमा के ज़रिए सम्मान देना बेहद ज़रूरी है।

शूटिंग सेट पर 8 घंटे काम को लेकर काफी चर्चा है। इस पर आप क्या कहेंगे?

देखिए, आदर्श स्थिति तो यही है कि हम सभी दिन में 8 घंटे ही काम करें। ज़िंदगी में बैलेंस होना बहुत ज़रूरी है। लेकिन आज की दुनिया इतनी तेज़ रफ्तार से चल रही है और हम सब कुछ झटपट हासिल करना चाहते हैं, जिसकी वजह से काम के घंटे भी लगातार बढ़ रहे हैं। मुझे याद है, एक वक्त था जब मैं दिन में 16-16 घंटे तक काम करता था, क्योंकि वो मेरा पैशन था। लेकिन पिछले 3-4 सालों में मैंने खुद को बदलने की कोशिश की है। अब मैं कोशिश करता हूं कि परिवार के साथ ज्यादा वक्त बिताऊं और ज़िंदगी को थोड़ा धीरे, सुकून से जी सकूं।

संगीतकार इलैयाराजा को रोटरी क्लब ने किया सम्मानित

चेन्नई । प्रसिद्ध संगीतकार इलैयाराजा को भारतीय संगीत में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शनिवार को कोयंबटूर में व्यावसायिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रोटरी क्लब द्वारा संगीत उद्योग पर उनके दशकों लंबे प्रभाव के सम्मान में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इलैयाराजा का शानदार कैरियर चार दशकों से अधिक समय तक फैला हुआ है, जिसके दौरान उन्होंने एक हज़ार से अधिक फ़िल्मों के लिए संगीत तैयार किया है, जिसने तमिल और तेलुगु सिनेमा दोनों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। सम्मान समारोह में विभिन्न संगठनों और उद्योगपतियों ने फूलों का गुलदस्ता और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इलैयाराजा को व्यापक रूप से भारत के सबसे महान संगीतकारों में से एक माना जाता है, जो शास्त्रीय संगीत की समृद्धि के लिए आज भी प्रसिद्ध हैं। उनके कुछ सबसे प्रतिष्ठित गीतों में अन्नाकिली (1975) से 'मचना पाथिंगला', मेट्टी (1980) से 'मेट्टी ओली कात्रोडु', नायगन (1987) से 'थेनपांडी चीमायिले' और थाई मूगंभिगई (1982) से 'जननी जननी' शामिल हैं। इन सदाबहार गीतों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है।

बचपन के दोस्त राजीव गांधी को याद कर रहे अभिनेता कबीर बेदी, बता रहे पुराने किस्से

मुंबई। फिल्म अभिनेता कबीर बेदी और राजीव गांधी बचपन में एक साथ बड़े हुए। वह दोनों बचपन में काफी अच्छे दोस्त रह चुके हैं। दोनों एक-दूसरे के घर भी आया जाया करते थे। कबीर बेदी, राजीव गांधी और उनके भाई संजय के कुछ किस्सों को याद किया है। हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में राजीव गांधी ने बचपन के उन दिनों का जिक्र किया जब वह प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के घर जाते थे। कबीर ने बताया कि उनका उस परिवार से काफी अच्छा रिश्ता रहा। कबीर बेदी ने अपने इंटव्यू में बताया कि वो राजीव गांधी और संजय गांधी के साथ पले बढ़े हैं। वो तीनों का स्कूल भी एक ही था। राजीव उनसे दो साल और संजय उनसे एक साल छोटे थे। तीनों बचपन में एक कमरे में बड़ी सी ट्रेन सेट के साथ खेलते थे। घुड़सवारी की ट्रेनिंग भी उन्होंने साथ मे ही ली थी। कबीर बेदी ने इसे एक बहुत ही प्यारा और करीबी रिश्ता बताया। उन्होंने बताया कि उनके घर में दुनियाभर से लाए गए खिलौने थे। कबीर ने ये भी खुलासा किया कि, 'जब मैं वापस जा रहा था, तो वह कुछ स्ट्रेस में लग रहे थे। मैंने फील किया कि उन्होंने अपने कपड़ों के नीचे बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी और मैं समझ गया कि वे क्यों इतने परेशान थे। मैंने उनसे अपना ध्यान रखने के लिए भी कहा और अगली बात जो मैंने देखी वह यह थी कि उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया था। ये मेरे लिए बहुत बड़ा सदमा था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिल्म 'ऐ जिंदगी' को मिली सराहना

मुंबई। अमेरिकन ट्रांसप्लांट फाउंडेशन ने हिंदी फीचर फिल्म 'ऐ जिंदगी' को आधिकारिक रूप से मान्यता दी है। यह फिल्म अब उन चुनिंदा फिल्मों की सूची में शामिल हो गई है, जो अंग प्रत्यारोपण जैसे संवेदनशील विषय को प्रामाणिक और भावनात्मक ढंग से दर्शाने के लिए जानी जाती हैं। इस सूची में पहले से ही हॉलीवुड की मशहूर फिल्में जैसे विल स्मिथ की 'सेवन पाउंड्स' और डेविड डचोवनी की 'रिटर्न टू मी' शामिल हैं। 'ऐ जिंदगी' की कहानी लीवर फेल्योर से जूझ रहे एक युवा मरीज और एक शोक परामर्शदाता की भावनात्मक यात्रा के इर्द-गिर्द घूमती है।

फिल्म का निर्देशन अमेरिका में कार्यरत ट्रांसप्लांट नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. अनिरबन बोस ने किया है और इसे शिलादित्य बोरा ने प्लाटून वन फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित है और इसमें सत्यजीत दुबे, रेवती और मृण्मयी गोडबोले जैसे कलाकारों ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। फिल्म को मिली इस अंतरराष्ट्रीय मान्यता पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. अनिरबन बोस ने कहा कि उनके लिए यह सम्मान बेहद विनम्र करने वाला है।

उन्होंने कहा, "एक डॉक्टर के रूप में मैंने ट्रांसप्लांट से जुड़ी कई कहानियों को नजदीक से देखा है जहां अनिश्चितता, मानवता और भावनाएं एक-दूसरे में गुथी होती हैं। इस फिल्म के ज़रिए हम उन्हीं भावनाओं को पर्दे पर लाने की कोशिश कर रहे थे और यह जानकर खुशी है कि फिल्म का संदेश अब विश्व स्तर पर गूंज रहा है।" वहीं निर्माता शिलादित्य बोरा ने फिल्म के यूट्यूब पर रिलीज को लेकर अपनी संतुष्टि जाहिर की। उन्होंने कहा कि यूट्यूब आज के दौर में स्वतंत्र रचनाकारों के लिए एक बेहद प्रभावशाली मंच बन चुका है, जहां गुणवत्ता की सराहना की जाती है न कि नाम या संसाधनों की।"

चंदा पटेल ने की एरोल मस्क से व्यक्तिगत मुलाकात

मुंबई। दुनिया के मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के पिता एरोल मस्क से बॉलीवुड फिल्म निर्माता चंदा पटेल ने मुलाकात की। चंदा पटेल की यह मुलाकात दिल्ली के प्रतिष्ठित ताज होटल में हुई। चंदा पटेल ऐसी पहली भारतीय फिल्म निर्माता बन गईं, जिन्होंने एरोल मस्क से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की।

इस मौके पर दोनों के बीच फिल्म निर्माण, बॉलीवुड की वैश्विक पहुंच और भविष्य में संभावित सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत हुई। चंदा पटेल हाल ही में 78वें कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी फिल्म 'तेरा मेरा नाता' का पोस्टर लॉन्च कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी हैं। फ्रांस से लौटने के बाद वह भारत में फिल्म का प्रचार कर रही हैं और अब वह अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए अवसरों को तलाश रही हैं। एरोल मस्क से हुई यह मुलाकात उसी दिशा में एक बड़ी पहल के रूप में देखी जा रही है। बैठक के दौरान एरोल मस्क ने भारतीय सिनेमा की भव्यता, रचनात्मकता और इसकी तेजी से बढ़ती वैश्विक पहचान पर गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड की कहानियां, संगीत और दृश्यात्मक शैली न केवल मनोरंजन प्रदान करती हैं, बल्कि वैश्विक दर्शकों को भी सांस्कृतिक रूप से जोड़ती हैं।

वहीं, चंदा पटेल ने भारतीय सिनेमा की बदलती धारा, तकनीकी नवाचारों और नई पीढ़ी के फिल्म निर्माताओं की सोच को सामने रखा। चंदा पटेल ने कहा, "एरोल मस्क से मिलना मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। हमारी बातचीत बेहद प्रेरणादायक थी, जहां हमने कहानी कहने की ताकत, भावनाओं की वैश्विक भाषा और भारतीय सिनेमा के प्रभाव पर चर्चा की।" अब जब उनकी फिल्म 'तेरा मेरा नाता' पहले से ही सुर्खियों में है, यह मुलाकात उनके करियर के लिए एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन गई है।

"Fulfillment at the Forefront: How Innovation, Empathy, and Technology Are Redefining the Future of Retail"

Delhi: Once viewed as a back-end process, fulfillment has now become a strategic pillar in the retail industry. No longer just about delivery speed, it now plays a central role in shaping customer trust, brand loyalty, and competitive advantage. In an exclusive conversation with The Times of India, Sanjeev Prakash, Product Director at Shipt—a same-day delivery platform owned by Target in the U.S.—shared insights on how fulfillment is evolving in the modern retail landscape. Sanjeev and his team operate across thousands of cities, blending cutting-edge technology with on-the-ground logistics. "Customers don't just want fast delivery," Sanjeev says."They want control, clarity, and consistency. When that breaks, the trust you've worked so hard to earn vanishes instantly." At Shipt, fulfillment isn't treated as a back-end operation—it's a core product experience. Sanjeev and his team focus on how customers choose delivery slots, how inventory changes are handled mid-order, and how gig workers (shoppers) make real-time decisions. "If a customer orders avocados and they're out of stock, how can the shopper quickly pick the next best alternative? These small moments can make or break the experience," he explains. This user-centric approach—what Sanjeev calls "empathy-driven logistics"—brings product thinking into a highly complex operational space.Today's consumers have rising expectations shaped by companies like Amazon and Uber. And

when delivery experiences fail, it's the brand that takes the blame—not the tech. "Every delivery is a brand moment. If it's late or wrong, customers don't blame the algorithm—they blame you," says Sanjeev. To address this, Sanjeev led cross-functional initiatives combining machine learning, UX design, and fulfillment ops to help gig workers perform better and keep customers well-informed throughout the delivery journey. Sanjeev believes that successful product managers in logistics must think like systems designers—looking at the entire customer journey, from placing an order to the moment it's delivered. "Good product managers see every touchpoint and design support systems for each decision along the way," he says. From route optimization and real-time inventory tracking to smart shopper incentives—everything must work seamlessly. According to Sanjeev, three key ideas will shape the future of fulfillment: Predictive Personalization: Systems that learn your preferred delivery windows, frequent items, and substitution preferences. Sustainable Operations: Smarter routes and batch deliveries to minimize environmental impact. Invisible Logistics: An experience so smooth and intuitive, the logistics become invisible to the customer. "The best fulfillment feels inevitable—like the product was always going to arrive just the way you needed it," Sanjeev says. Sanjeev Prakash's insights reveal a powerful message: fulfillment is no longer what happens after the sale—it's now the center of brand trust and customer loyalty.

External Affairs Minister Jaishankar on visit to France, European Union and Belgium from 8 to 14 June

New Delhi, External Affairs Minister Dr. S. Jaishankar will be on an official visit to France, European Union and Belgium from today (8 June) to 14 June. This visit is considered an important initiative towards further strengthening strategic cooperation with India's three major partner countries. According to the Ministry of External Affairs, this visit will further deepen the relations between India and these three partners and will give a new direction to multilateral cooperation. 25 years of strategic partnership between France and India have been completed. There is deep trust and multifaceted cooperation between the two countries. During the visit, the Foreign Minister will visit Paris and Marseille. He will hold bilateral talks with French Minister of Europe and Foreign Affairs Jean Noel Barrot. Apart from this, he will also interact with senior leaders, think tanks and media of France. He will also participate in the inaugural edition of 'Foreign Minister Maxim Prevot' being held in Marseille. India's strategic partnership with the EU has strengthened in recent years in many areas. This is evident from the visit of the European Commission delegation to India in February this year. In Brussels,

the External Affairs Minister will hold strategic dialogue with the EU High Representative Kaja Kallas and will also meet senior leaders of the European Commission, European Parliament and policy experts. Belgium and India have strong partnerships in areas such as trade, technology, pharma, diamond industry and green energy. The External Affairs Minister will hold bilateral talks with the Belgian Deputy Prime Minister and Foreign Minister Maxime Prevot and will also meet members of the Indian community.

Revelation of sending 200 suspicious Indian citizens abroad in four months using Nepal's airport

Kathmandu , Investigation has revealed that 200 suspicious Indian citizens were sent abroad in the last four months using Nepal's Tribhuvan International Airport. Most of them have been found to be pro-Khalistan people. The Central Investigation Bureau (CIB), which is investigating the human trafficking case in which Nepal's Home Minister Ramesh Lekhak is currently surrounded and the opposition is pressuring him to resign, has made some shocking revelations. According to a senior investigating officer associated with this investigation, human trafficking business was being run rampantly in the

immigration department at the airport and it has been revealed that not only people going abroad as laborers but also suspicious people were being sent. Nothing is being said officially by the CIB regarding the investigation of this case at the moment, but the investigating officer has made some sensational revelations. The officer said that after examining the immigration records, in the last four months, more than 200 such Indian citizens were sent abroad who did not have the No Objection Certificate (NOC) from the Indian Embassy. According to the investigating officer, the records of the Indian citizens who were sent abroad unauthorizedly using Kathmandu airport include members of the Lawrence Bishnoi gang as well as people associated with the banned Khalistani group. He said that among the Indian citizens sent abroad, there are some citizens about whom the Indian intelligence department had duly informed the Nepalese security officials in writing. It is necessary for any Indian citizen to take an NOC from the Indian Embassy in Kathmandu to go to any third country from Nepal's airport. Similarly, if information is given about any person from India, then it is the job of the immigration to stop him too, but without caring about both of these, Nepal's airport has been misused.

MPL is a powerful medium for young players to showcase their talent on a big stage: Alok Birla

Gwalior, Alok Birla, owner of Rewa Jaguars, a team of Madhya Pradesh League (MPL) starting from June 12 at Shrimant Madhavrao Scindia Cricket Stadium in Shankarpur, Gwalior, believes that this league is a powerful medium for emerging cricketers to showcase their talent on a big stage. The Madhya Pradesh League is going to start from June 12. 7 men's teams will clash in the league. For the first time, 3 teams of women cricketers are also entering the league. All the matches of the league will be held at Shrimant Madhavrao Scindia Cricket Stadium. Before the start of the league, Rewa Jaguars owner Birla said that I want to create such a franchise where players get benefits in their livelihood as well as their opportunities, because my thinking is not just to participate in MPL, but also to make them mentally and physically fit. It has always been my view that if the players stay

associated with the franchise, they can become even better. He further said that in life everyone wants an opportunity where they can show their talent, skills and talent. Be it any field. So the Madhya Pradesh League is such a platform, such an opportunity and such a tournament where you can prepare yourself for the international level. Citing the example of player Shivam Shukla, Birla said that he performed brilliantly in the last MPL season and was recently selected as a replacement by Kolkata Knight Riders (KKR) in IPL 2025. No one knew that he would become a part of KKR after the first season of MPL. That is why everyone aspires to play in the Madhya Pradesh League. This is such a platform provided by the Madhya Pradesh Cricket Association, where there are opportunities for all those young talents who are born and brought up in Madhya Pradesh and consider cricket as their life. **Men's teams**: Gwalior Cheetahs, Bhopal Leopards, Jabalpur Royal Lions, Rewa Jaguars, Indore Pink Panthers, Chambal Gharials, Bundelkhand Bulls This time there will be a women's league in the second season of Madhya Pradesh League. Chambal Gharials, Bhopal Wolves and Bundelkhand Bulls teams will participate in the women's league.

ELECTION COMMISSION APPEALS AGAIN, GIVE WRITTEN COMPLAINT OR RAHUL GANDHI SHOULD COME TO MEET

New Delhi, Election Commission has appealed to Congress leader Rahul Gandhi and his party to communicate directly with the commission instead of making allegations from public forums. The commission says that instead of making allegations, they should give their complaints in writing to the commission and take out time to meet. Sources say that as per the procedure, it is public knowledge that any constitutional institution, including the Election Commission, formally responds only when the concerned person sends a letter in writing. It is also surprising that "on the one hand Rahul Gandhi is calling these issues very serious but when it comes to giving them in writing, he backs off." On the other hand, when the Congress was invited to meet the commission on May 15, it asked for time to meet further and backed

out. Election Commission sources have expressed surprise at Rahul Gandhi's silence. The commission said that even after 24 hours, Rahul Gandhi neither wrote any letter nor asked for time to meet. "They call their allegations serious but are avoiding giving them in writing." Sources say that Rahul Gandhi has actually criticized the booth level agents, polling and counting agents appointed by the Congress candidates in Maharashtra. On the other hand, 10.5 lakh booth level officers, 50 lakh polling officers and 1 lakh counting supervisors appointed by the Commission across the country are angry with these baseless allegations, which raise questions on their honesty and hard work. On the other hand, regarding CCTV footage, the Commission says that the High Court can examine the CCTV footage of polling stations in any election petition. This system is to maintain the fairness of the election and protect the privacy of voters. In such a situation, why does Rahul Gandhi or his agents want to violate the privacy of voters? Do they not trust the High Courts as well? It is worth mentioning that Rahul Gandhi had talked about alleged electoral irregularities on five points regarding the Maharashtra elections. These included issues like bias in the appointment of the Election Commissioner panel, adding names of fake voters, exaggerating the voting percentage, bogus voting at targeted booths and not providing CCTV records. The Election Commission has responded to all these issues. The Commission says that the appointment of Election Commissioner has started through a three-member panel only during the tenure of the current government. Earlier, governments used to make direct appointments. The Commission has drawn attention towards the electoral process on the allegations of voters, voting percentage and bogus voting.

Nine-year-old girl raped and murdered in Delhi

New Delhi, A case of rape and murder of a 9-year-old girl has come to light in Dayalpur area of North East district. The body of the deceased girl was recovered from a suitcase present in a closed house in the neighborhood. The police has taken the body in its custody and kept it safe in the mortuary of GTB Hospital for post-mortem. Along with this, a case of rape and murder has been registered and investigation has been started. Police say that the accused is being searched and several teams have been formed to search for him. North East Delhi DCP Ashish Mishra said that at around 8:41 pm on Saturday night, Dayalpur police station received information about the rape and murder of a 9-year-old girl in Nehru Vihar. After this, the police of Dayalpur police station reached the spot where it was found that the girl has been taken to Jag Pravesh Chandra Hospital. On reaching there, it was found that the doctors have declared the girl dead. According to the DCP, doctors saw injury marks on the victim's face in the preliminary investigation and suspected sexual assault. Crime and Forensic Science Laboratory (FSL) teams are inspecting the scene. According to the DCP, several teams are gathering clues to arrest the accused as soon as possible. Also, the footage of CCTV cameras installed around the scene is also being scanned. The father of the deceased girl told that his daughter had gone to her aunt's house to get ice on Saturday evening. When she did not return after a long time, they started searching. During interrogation, it was found that she had not reached uncle's house. On asking the children playing in the street, it was found that she had gone to a house. On reaching there, the house was found locked, which people broke and entered inside. There was a suitcase lying here, from which blood was oozing. When it was opened, the girl was found lying in an unconscious state. After this, the girl was taken to the hospital.

Jind: Indian Bank Chief Manager committed fraud

Jind, On the complaint of the son of former INLD MLA Ramfal Kundu, the police have registered a case of fraud against the Chief Manager of Indian Bank. The Chief Manager of the bank auctioned 70 Kanal 19 Marla land by hiding the facts and grabbed Rs 61 lakh 75 thousand from it. Later it was found out that a court case is going on on the land which has been auctioned. Gagan Kundu, son of former MLA Ramfal Kundu, a resident of Housing Board Colony, told in a complaint to the Alewa police station on Saturday that he is a farmer by profession. On November 6, 2024, a public notice was issued in the newspaper for the sale of 70 Kanal 19 Marla land and layer farm in Badhana village of Alewa area through Indian Bank Chief Manager Sandeep Rathi. The bank had said in the auction notice that the physical possession is with the bank and the bank itself has physical possession and control of

this property. There is no legal action pending against this property. It is free from all types of encumbrances. According to this notice, the auction was to be held on 27 November 2024. Gagan participated in the auction. He was asked to deposit an amount of Rs 24 lakh 70 thousand before the auction date, so he believed the assurance given by Chief Manager Sandeep Rathi and deposited this amount first. After this, on November 27, he participated in the auction and bid two crore 47 lakh rupees for the land, and his bid was the highest. 25 percent of the bid, Rs 37 lakh, was paid immediately. According to Gagan Kundu, after this, the sale notice was sent to him by the bank manager on November 27 itself and he was asked to pay 25 percent of the bid, Rs 37 lakh five thousand. He deposited the money on the reputation of the bank and the assurance of the Chief Manager. After which his total deposit amounted to Rs 61 lakh 75 thousand. Later he came to know that Chief Manager Sandeep Rathi along with others had cheated him. The fact was hidden from him that the bank never had possession of this 70 Kanal, 19 Marla land and a case of encroachment was filed on this land. The owner of the land is also someone else and the entire land is entangled in a court case. Sandeep Rathi along with his associates Branch Manager, AGM, DGM has cheated him. Alewa police station has registered a case against Sandeep Rathi on the complaint of Gagan Kundu.

Fatehabad: Woman arrested for cheating through online betting app

Fatehabad, CIA Fatehabad police team has also arrested the female accused in the case of cheating through online betting app. The arrested woman has been identified as Usha Chaudhary wife Vijay Chaudhary resident Chaudhary Colony, Fatehabad. In this case, police has already arrested two accused Pankaj Kumar son Bhimsen, resident Chaudhary Colony, Fatehabad and Anil Kumar Mal son Ashok Mal, resident MC Colony, Fatehabad. In this regard, a case was registered in Police Station City Fatehabad on May 29. Giving information about this on Sunday, CIA in-charge Inspector Yadavendra Singh said that the police had received secret information that a youth named Pankaj runs a shop named 'Pankaj Mobile and Stationery' near Vishwakarma Temple, he is operating

an organized cyber fraud gang along with his associates Mohit Chaudhary, a female partner and Mannu resident Hisar. This gang motivates common citizens to invest through various online mobile apps and cheats them by luring them with more profit. Based on secret information, the police team raided the shop located at Bighad Chowk and arrested Pankaj Kumar on the spot. A mobile phone and Rs 5,000 in cash were recovered from his possession. During investigation, a WhatsApp message was found in Pankaj's mobile, which mentioned sending 1.5 L i.e. 1.5 lakh rupees to a woman on 20 April 2025. During interrogation, Pankaj admitted that he, along with his accomplices, used to trap people in fake investment schemes and cheat them with the aim of defrauding them. Regarding the recovered cash, the accused told that this amount was received from a person sent by Mohit Chaudhary, but he did not ask his name. The police had registered a case in this matter. On the basis of interrogation of the main accused Pankaj, the police have also arrested the female accused after another of his associates Anil Kumar Mal.